MUMBAI TARANG

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीनो में मिलती है

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-28 ❖ मुंबई ❖ रविवार 04 से 10 जुलाई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
फर्जी 'पहचान' पर टिकट की 'किटकिट', वैक्सिनेट लोगों को मिल सकती है लोकल में अनुमति

पेज 5
CDS रावत वायुसेना को बता दिया सेना की सपोर्टिंग विंग, भदौरिया ने दिया ऐसा जवाब

पेज 7
इंजीनियर से ऐक्टर बने प्रवीण सिंह राजावत को पसन्द है लीग से हटकर काम करना

पेज 8
जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पत्रकार मार्गदर्शन शिविर सफलता पूर्वक संपन्न

रांकांपा ने किया मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

महंगे होते गैस सिलेंडर से जनता हुई त्रस्त

मीरा रोड, रोज-रोज बढ़ रही महंगाई से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। नाराज जनता केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आई है। कल इसका नजारा मीरा-भायंदर में दिखा, जहां सड़क पर लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाकर लोगों ने केंद्र सरकार के प्रति अपना विरोध प्रदर्शन किया। इसके तहत लकड़ी के चूल्हे पर तवा चढ़ाकर महिलाओं ने रोटी पकाई।

कल राकांपा ने घरेलू गैस, पेट्रोल, डीजल की बेतहाशा बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन कर मोदी सरकार का निषेध किया। बेतहाशा बढ़ती कीमतों के विरोध में राज्य में कई जगह राकांपा द्वारा मोदी सरकार का विरोध किया गया।

शनिवार को मीरा रोड स्टेशन के नजदीक शहीद मेजर कौस्तुभ राणे चौक के पास बड़ी संख्या में राकांपा के कार्यकर्ता, पदाधिकारियों ने मिलकर भाजपा सरकार तथा महंगाई के विरोध में नारे लगाए। बढ़ती महंगाई से आम आदमी त्रस्त हो चुका है। रसोई गैस की कीमत बढ़ने से आम आदमी की जेब पर सीधा असर होने लगा है। सरकार की गलत नीतियों के वजह से पूरे देश में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। सरकार की इन्हीं नीतियों के विरोध में बैनर-पोस्टर लेकर लोग सड़कों पर उतरे थे। मीरा रोड में किए गए इस विरोध प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष अंकुश मालुसरे के साथ मोहन पाटील, आसिफ शेख, निर्मला सावले, साजिद पटेल, जकी पटेल, गुलामनबी फारुकी, तारे पाटील, बाबुराव भिलारे, ओमकार धाकतोडे, सुरेश सकपाल, ममता मोराईस, माधुरी तांबे, सुप्रिया माईनकर, मंदाकिनी भिलारे, भारती त्रिवेदी, अरुण पवार, रोहित हिंगे, नरेंद्र भाटिया, रवि कांबले, सुधाकर तांबे, रोहित गुप्ता, वनजा रानी नायडू, लक्ष्मण पाटील, भरत डगली आदि पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जून में झुलसा कोरोना!

मुंबई, कोरोना की दूसरी लहर भी मुंबई में पूरी तरह से कंट्रोल में आ चुकी है। सबसे कम मरीज जून में मिले हैं, या यूं कहें कि सबसे गर्म महीना जून की गर्मी की तपिश में कोरोना झुलस गया है। पिछले ६ महीने में कोरोना के सबसे कम मामले जून महीने में आने के साथ ठीक होनेवाले मरीजों का प्रतिशत भी ९६ रहा है। इसी वर्ष जनवरी-फरवरी की ठंड में कोरोना सांसें गिन रहा था लेकिन मार्च में दूसरी लहर आने के साथ ही कोरोना ने तेजी से विकराल रूप धारण किया। मार्च महीने में ९६ हजार ५९० तो अप्रैल में २ लाख २९ हजार १७२ नए मरीज सामने आए। मनपा की सफल नीतियों के चलते मई महीने में कोरोना धड़ाम से गिरा और जून में तेज गर्मी के आगे कोरोना नहीं टिक पाया, झुलस कर १५,१३६ मरीजों के साथ जमीन पर आ गया। पिछले वर्ष ११ मार्च को कोरोना का पहला मरीज मिला था, उसके बाद देखते ही देखते कोरोना मरीजों की संख्या लाखों में पहुंच गई। पर मनपा ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए बेहतर प्रबंधन किया। जिसके बाद पिछले वर्ष दिसंबर में कोरोना की पहली लहर दम तोड़ने के करीब आ गई थी। इस वर्ष जनवरी में कोरोना स्थिर था लेकिन फरवरी में फिर से उसमें जान आई और मार्च में दूसरी लहर के साथ कोरोना ने तेजी से दम भरा और ९६,५९० मरीज मिले। अप्रैल में तो २,२९,१७२ मरीज मिलने के साथ ही रिकॉर्ड टूट गया। मनपा ने भी हार नहीं मानी फिर से जोर लगाया, कुशल नीति और बेहतर व्यवस्था के चलते मई महीने में कोरोना को दबोच लिया। मई में ५४,५५० नए मरीज मिले लेकिन जून में कोरोना को पटखनी देते हुए जमीन पर गिरा दिया। जून में मात्र १५,१३६ मरीज नए मिले।

भिखारियों को भी काम करना चाहिए, सबकुछ राज्य ही उन्हें नहीं दे सकता-बॉम्बे HC

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि बेघरों और भिखारियों को भी देश के लिए कुछ काम करना चाहिए क्योंकि राज्य ही सबकुछ उन्हें उपलब्ध नहीं करा सकता. मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाते हुए बृजेश आर्य की उस जनहित याचिका का निपटारा कर दिया जिसमें याचिकाकर्ता ने अदालत से बृहन्मुंबई महानगरपालिका को शहर में बेघर व्यक्तियों, भिखारियों और गरीबों को तीन वक्त का भोजन, पीने का पानी, आश्रय और स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था. बीएमसी ने अदालत को सूचित किया कि गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की मदद से पूरी मुंबई में ऐसे लोगों को भोजन और समाज के इस वर्ग की महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन दिया जा रहा है. अदालत ने बीएमसी की इस दलील को मानते हुए कहा भोजन और सामग्री वितरण के संबंध में आगे निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है.

उच्च न्यायालय ने कहा, ''उन्हें (बेघर व्यक्तियों को) भी देश के लिए कोई काम करना चाहिए. हर कोई काम कर रहा है. सबकुछ राज्य द्वारा ही नहीं दिया जा सकता है. आप (याचिकाकर्ता) सिर्फ समाज के इस वर्ग की आबादी बढ़ा रहे हैं.'' अदालत ने याचिकाकर्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर याचिका में किये गये सभी अनुरोध को मान लिया जाये तो यह ऐसा होगा मानो ''लोगों को काम नहीं करने का न्योता देना.'' अदालत ने अपने फैसले में कहा कि शहर में सार्वजनिक शौचालय हैं और पूरे शहर में इनके इस्तेमाल के लिए मामूली शुल्क लिया जाता है.

अमिताभ बच्चन के बंगले 'प्रतीक्षा' की दीवार तोड़ेगी बीएमसी

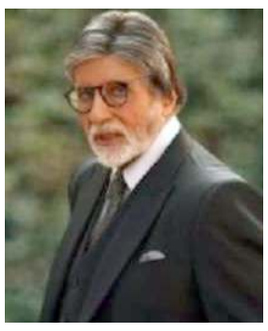

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'प्रतीक्षा' की एक तरफ की दीवार तोड़ने की तैयारी कर रही है। यह दीवार तोड़ने के लिए 2017 में ही अमिताभ बच्चन को बीएमसी ने नोटिस भेज दिया था, लेकिन बच्चन ने इस नोटिस का जवाब अभी तक नहीं दिया है। बीएमसी ने मुंबई उपनगरीय कलेक्ट्रेट के सर्वे अधिकारियों को 'प्रतीक्षा' बंगले के तोड़े जाने वाले हिस्से को चिन्हिंत करने के निर्देश दे दिए हैं। इस बंगले की दीवार संत ज्ञानेश्वर मार्ग को चौड़ा करने के लिए तोड़ी जा रही है। यह मार्ग 'प्रतीक्षा' बंगले से शुरू होकर एस्कॉन मंदिर की ओर जाता है। जुहू में बच्चन परिवार द्वारा खरीदा गया यह पहला बंगला है। इसके अलावा इसी क्षेत्र में अमिताभ के तीन और बंगले हैं। विले पार्ले से जेडब्ल्यू मैरिएट की ओर जाने वाले मार्ग पर उनका दूसरा बंगला 'जलसा' स्थित है, जिसमें पूरा बच्चन परिवार रहता है। अपने प्रशंसकों को दर्शन भी वह इसी बंगले की बालकनी से देते हैं। उनका तीसरा बंगला 'जनक' भी जलसा से चंद कदमों की दूरी पर है, जिसका उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाता है। अमर सिंह से दोस्ती के दिनों में वह 'जनक' में ही आकर रुकते थे। जुहू क्षेत्र में ही उनका चौथा बंगला 'वत्स' भी है, जिसे एक बैंक को किराए पर दिया गया है। अमिताभ बच्चन के पिता हरिवंशराय बच्चन व माता तेजी बच्चन का ज्यादा समय प्रतीक्षा में ही गुजरा है।

ईडी का महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को तीसरा समन

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को समन भेजा है। ईडी ने 5 जुलाई को उनको पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने इसी मामले में उनके बेटे ऋषिकेश देशमुख को भी समन भेजकर छह जुलाई को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा है। ईडी का एनसीपी नेता अनिल देशमुख को ये तीसरा समन है। पहले दो समन पर वो पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए थे। वनइंडिया हिंदी अनिल देशमुख को इससे पहले भी दो सम्मन जारी किए जा चुके हैं। अनिल देशमुख ने समन पर ईडी के सामने हाजिर होने में असमर्थता जताई थी। उन्होंने पत्र लिखकर ईडी को कहा था कि उनकी उम्र 72 साल है और वह कई बीमारियों से ग्रसित हैं। कोरोना के चलते उन्हें और भी ज्यादा एहतियात रखनी होती है। उन्होंने ईडी से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बयान दर्ज करने का आग्रह किया था। हालांकि इसे ईडी ने स्वीकार ना कर तीसरा समन उनको भेजा है। ईडी ने हाल हीमें मुंबई और नागपुर में अनिल देशमुख के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी भी की थी। ईडी ने उनके निजी सचिव संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे को गिरफ्तार भी किया है। दोनों छह जुलाई तक ईडी की हिरासत में हैं। बता दें कि ये मामला कथित तौर पर मुंबई में करोड़ों रुपए की रिश्वतखोरी और जबरन वसूली से जुड़ा है। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को खत लिखकर आरोप लगाए थे कि अनिल देशमुख ने पुलिस अफसरों को हर महीने 100 करोड़ रुपयए की वसूली का लक्ष्य दिया था। अनिल देखमुख ने सचिन वाजे को यह टारगेट दिया था। देशमुख पर इसी मामल को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईजी ने समन किया है। अनिल देशमुख ने इन आरोपों के बाद इस साल अप्रैल में महाराष्ट्र के गृहमंत्री के पद में इस्तीफा दे दिया था।

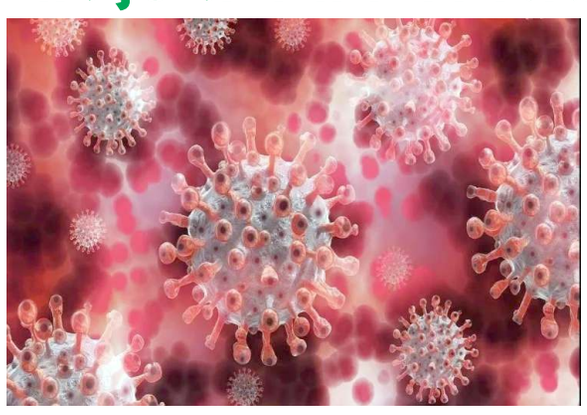

शोधः कोविड से उबर चुके लोगों को टीके की खुराक से डेल्टा वैरिएंट से बचाव में मिलती है मदद

कोविड-19 से उबरने पर टीके की एक या दोनों खुराक ले चुके लोगों को आगे कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप से ज्यादा सुरक्षा मिलती है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन की अभी समीक्षा की जानी है और इसे शुक्रवार को 'बायोरेक्सिव प्रीप्रिंट सर्वर' पर पोस्ट किया गया था।भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे और न्यूरोसर्जरी विभाग, कमांड हॉस्पिटल (दक्षिणी कमान) के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के संबंध में कोविशील्ड टीके को लेकर अध्ययन किया है।भारत में बी.1.617 के मामलों में हालिया उभार के बाद लोक स्वास्थ्य के लिए नयी चिंताएं पैदा हो गई हैं। अध्ययन में कहा गया, स्वरूप में आगे बी.1.617.1 (कप्पा), बी. 1. 6 1 7.2 (डेल्टा) और बी.1.617.3 बदलाव हुआ। जाहिर है, डेल्टा स्वरूप धीरे-धीरे दूसरे स्वरूप पर हावी हो गया है। इसी के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे चिंता का विषय बताया है। अध्ययन में कहा गया, डेल्टा स्वरूप के ज्यादा प्रसार से भारत में महामारी की दूसरी लहर पैदा हुई, जिसने लाखों लोगों को प्रभावित किया। दुनियाभर में कोरोना के तेजी से बढ़ते डेल्टा वैरिएंट को लेकर अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिल रहा है। कई देशों में संक्रमण इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि वहां पर फिर से लॉकडाउन लगाने जैसी स्थितियां बनने लगी हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव-भाजपा की जीत पर पीएम मोदी ने बधाई, यूपी के सीएम योगी को दिया जीत का श्रेय

उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भाजपा को जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है, साथ ही इस जीत का श्रेय यूपी के सीएम योगी को दिया है। शनिवार की शाम को पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा कि 'यूपी जिला पंचायत चुनाव में भाजपा की शानदार विजय विकास, जनसेवा और कानून के राज के लिए जनता-जनार्दन का दिया हुआ आशीर्वाद है। इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी की नीतियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम को जाता है। यूपी सरकार और भाजपा संगठन को इसके लिए हार्दिक बधाई। सीएम ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों को दी बधाईवहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था की ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। जिला पंचायत के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में विकास के महत्वपूर्ण कार्य संचालित होते हैं। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्षों से पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से अपने पद के दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा की है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान की सीधी मदद करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रतमों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इन समस्त नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से कोरोना कालखंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में स्थानीय प्रशासन को सहयोग प्रदान करते हुए मानवता की सेवा में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

वैक्सीन पर दीवार

अभी न तो कोरोना की दूसरी लहर पूरी तरह काबू में आई है और न संक्रमण से जुड़ी चिंताएं समाप्त हुई हैं, बावजूद इसके यूरोपीय देशों में ग्रीन पास को लेकर विवाद शुरू हो गया है। ईयू देशों ने कोरोना संक्रमण में सुधार के मद्देनजर आवाजाही की व्यवस्था को सामान्य बनाने के मकसद से यह कवायद शुरू की है। पहली नजर में यह तर्कसंगत भी लगती है। आखिर सामान्य आर्थिक गतिविधियों और यात्राओं पर कब तक पाबंदी लगाए रखी जा सकती है? कोरोना वायरस अगर लंबे समय तक बना रहने वाला है तो दुनिया को उसकी मौजूदगी में सुरक्षित ढंग से जीने का कोई न कोई रास्ता निकालना ही होगा। रास्ता निकालने की ऐसी ही एक कोशिश ईयू ने ग्रीन पास जारी करके की है। हालांकि अभी मामला ईयू देशों के बीच यात्राओं का ही है। इन यात्राओं के लिए भी ग्रीन पास अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह यात्रा को आसान और सुविधाजनक जरूर बनाएगा। जिन लोगों के पास ग्रीन पास नहीं होगा उन्हें जगह-जगह आरटीपीसीआर टेस्ट की नेगेटिव

रिपोर्ट दिखाने और एक निश्चित समय क्वारंटीन में बिताने जैसी असुविधाएं झेलनी पड़ सकती हैं। निकट भविष्य में यूरोप यात्रा की योजना बना रहे भारतीयों के लिए दिक्कत की बात यह रही कि भारत में लगाए जाने वाले तीनों टीकों- कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पूतनिक वी को ईयू की सूची में शामिल नहीं किया गया। इससे जहां भारतीय यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली थी, वहीं भारतीय टीकों की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठ रहा था।

जिन टीकों को भारत सरकार ने पूरी जांच-पड़ताल के बाद मान्यता दी हो, उन्हें अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य सरकारें मान्यता देने लायक न मानें तो तकनीकी तौर पर उसकी जो भी वजहें गिनाई जाएं, उसका यह मतलब तो निकलता ही है कि भारतीय संस्थाओं की प्रामाणिकता संदिग्ध है। स्वाभाविक ही, भारत सरकार ने तकनीकी सवालों में उलझने के बजाय इसे सीधे कूटनीतिक स्तर पर उठाया और ईयू और यूरोपीय देशों को साफ तौर पर जतला दिया कि भारत ऐसा दोहरा व्यवहार स्वीकार नहीं करने वाला। जो देश कोविन पोर्टल से सत्यापित प्रमाणपत्र को मान्यता नहीं देंगे, वह उनके प्रमाणपत्र को अमान्य करेगा। भारत के इस कड़े रुख का असर भी देखने को मिला जब आठ ईयू देशों ने कोविशील्ड को मान्यता देने की बात कही। इनमें एस्टोनिया ने तो भारत में मान्य सभी टीकों को मान्यता दी है। इनके अलावा स्विट्जरलैंड ने भी कोविशील्ड को मान्यता दी है। वह ईयू में शामिल नहीं है। हालांकि टीकों की प्रामाणिकता को लेकर आश्वस्त होने की जहां तक बात है तो हर देश और संबंधित एजेंसियों को उसका अधिकार है। वैसे भी फिलहाल ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं। इसलिए इस मामले का कोई तात्कालिक महत्व नहीं है पर यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आगे भी टीका निर्माता कंपनियों की आपसी प्रतिद्वंद्विता या किसी भी अन्य वजह से भारतीय टीकों और भारतीय यात्रियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए।

ड्रोन पर सवार आतंकवाद

किरीट ए. चावड़ा

जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर रविवार तड़के हुआ आतंकी हमला नुकसान चाहे ज्यादा न कर पाया हो, लेकिन भविष्य की तैयारियों के लिहाज से यह बेहद गंभीर घटना है। इसे सिर्फ एक और आतंकी वारदात के रूप में नहीं लिया जा सकता। जैसी कि आशंका जताई जा रही है, यह हमला ड्रोन के जरिये हुआ। अगर यह सच है तो इसे आतंकी हमलों के तरीकों में महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत माना जाना चाहिए। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से दूरी करीब 14-15 किलोमीटर है। इससे पहले तक सीमा पार से ड्रोन अधिकतम 12 किलोमीटर तक ही घुसपैठ कर सके थे, लेकिन घटनास्थल को उनके दायरे से बाहर नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि ड्रोन को भारतीय सीमा के अंदर से ही संचालित किया जा रहा हो। सुरक्षा विशेषज्ञ आंतकी हमलों में ड्रोन के इस्तेमाल की आशंका पहले से जताते रहे हैं। यह आतंकी संगठनों के लिए कई लिहाज से सुविधाजनक भी है। एक तो इसमें वारदात को अंजाम देने वाले आतंकियों के मारे या पकड़े जाने का डर नहीं होता, दूसरे यह कम खर्चीला भी है। इसलिए ड्रोन के जरिये हमले देश के अंदर छोटे-छोटे ग्रुप्स के जरिए भी करवाए जा सकते हैं। इन हमलों में सीमा

पार के आतंकी संगठनों की संलिप्तता को उजागर करना भी थोड़ा मुश्किल हो जाएगा। ड्रोन चूंकि कम ऊंचाई पर उड़ते हैं, इसलिए अक्सर राडार की जद में भी नहीं आते। ऐसे में विशेषज्ञों का यह आकलन निराधार नहीं है कि भविष्य में ड्रोन हमलों की संख्या में इजाफा हो सकता है। सुरक्षा तंत्र की एक बड़ी चुनौती इन संभावित हमलों से बचने और समय रहते इन्हें नाकाम करने के तरीके विकसित करने की होगी। लेकिन फिलहाल सबसे अहम है इन हमलों की टाइमिंग। हमले से दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर के प्रमुख दलों और नेताओं के साथ लंबी बैठक की, जिससे वहां का माहौल बदलने की उम्मीद बंधी है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए जाने और आगे चलकर राज्य का दर्जा बहाल होने की चर्चा शुरू हो गई है। माहौल में ऐसा पॉजिटव बदलाव आतंकी तत्वों की बेचैनी बढ़ा दे, यह पूरी तरह स्वाभाविक है। ऐसे में चाहे शोपियां में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हो या जम्मू एयरफोर्स स्टेशन का ब्लास्ट या फिर जम्मू में आईईडी के साथ लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी- ये आतंकवाद के अब तक के पैटर्न की ही पुष्टि करते हैं। जाहिर है, आतंकी तत्वों के खिलाफ मुहिम में रत्ती भर भी ढील नहीं दी जा सकती, लेकिन ऐसा भी कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे आतंकी तत्वों को लगे कि उनकी कार्ययोजना सफल हो रही है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो जम्मू कश्मीर में बातचीत या चुनावों की प्रक्रिया पर इन घटनाओं का कोई प्रभाव नहीं पड़ने देना फिलहाल हमारी सफलता की एक बड़ी कसौटी होगा।

हिचक कैसी, हमें हमले की ताकत चाहिए

जिगर डी वाढेर

पंद्रह देशों में काम करने वाले संगठन इंटरनैशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रैटिजिक स्टडी ने पाया है कि भारत की सारी सायबर ताकत पाकिस्तान के खिलाफ लग रही है, जबकि उस पर अधिक हमले चीन कर रहा है। इसमें दो बातें हैं। पहली, सामरिक तौर पर हमारा ध्यान बहुत पहले से पाकिस्तान पर रहा है। इसलिए हमारे इंस्टिट्यूशंस की नजर अभी भी पाकिस्तान पर है और इंस्टिट्यूशंस को बदलने में वक्त लगता है। दूसरी बात यह कि पाकिस्तान और चीन को अलग-अलग देखना गलत है। भारत तो दो मोर्चों पर यह लड़ाई लड़ रहा है। कई चीजें चीन खुद नहीं करेगा, लेकिन उसकी ओर से वही काम पाकिस्तान कर देगा। इसलिए भारत का पाकिस्तान पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। हालांकि मुझे लगता है कि पिछले साल गलवान की घटना के बाद से माइंडसेट बदल रहा है। हमने देखा है कि कैसे हर क्षेत्र में अब फोकस चीन पर है।

पाक पर ज्यादा जोर

यह स्टडी आगे कहती है कि भारत की सायबर वॉर रणनीति में कई कमियां हैं। चीन और पाकिस्तान नॉर्मल स्टेट नहीं हैं। एक तरफ है पाकिस्तान, जहां सेना बेहद ताकतवर है। उसकी विदेश नीति में सेना की प्राथमिकताएं दिखती हैं। दूसरी तरफ है चीन। वहां क्या चलता है, इस बारे में हमें क्या, अमेरिका जैसे देश तक को पता नहीं चल पाता। चीन में भी पिछले कुछ बरसों से सेना का रोल बढ़ा है। जब आपके दोनों तरफ दो ऐसे मुल्क हों, तो स्थिति थोड़ी गंभीर हो जाती है। इन दोनों पड़ोसी देशों में सेना गैर-परंपरागत तौर-तरीके इस्तेमाल कर रही है, मसलन ग्रे जोन ऑपरेशन। इसे ऐसे समझें कि पाकिस्तानी सेना सीधे भारतीय सेना के सामने नहीं आ सकती, इसलिए वह आतंकवाद को प्रायोजित करती है। यही ग्रे जोन ऑपरेशन है। इस मामले में चीन का हिसाब दूसरा है। वह अपनी क्षमताओं को छुपाने और गैर-परंपरागत तरीके से विरोधी को झुकाने की कोशिश करता है। इसलिए वह हैकर्स का इस्तेमाल करता है, उन्हें स्पॉन्सर करता है। अगर हैकर्स ने काम कर दिया, तो वह कह देगा कि इसमें उसका कोई हाथ नहीं। वैसे भी इंटरनेट का संसार इतना बड़ा है कि कौन कहां बैठकर क्या कर रहा है, इसका पता लगाना बहुत मुश्किल काम है।

लेकिन क्षमता तो भारत के पास भी कम नहीं। वुहान लैब में जो साजिश हुई, उसका खुलासा भारतीयों ने यहां से बैठे-बैठे कर दिया। लेकिन अभी तक इस बात पर कोई चर्चा नहीं हुई कि इस क्षमता का इस्तेमाल करना कैसे है। पॉलिसी एरिया में सायबर वॉर पर बहुत कम चीजें मिलेंगी आपको। हमारी सेना भी अभी उतनी ट्रेंड नहीं है। कुछ बदलाव हुए जरूर, लेकिन चीन बहुत आगे है। हमने भारत सहित पश्चिमी देशों पर होने वाले सायबर अटैक देखे हैं, तो मानना पड़ेगा कि हमारी आक्रमण क्षमता बेहद कम है।

ऐसे में एक रास्ता यह भी निकलता है कि पश्चिमी देशों की मदद ली जाए। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस तो हैं ही, इस्राइल भी माहिर है इसमें। इस्राइल से सीखने वाली बात है कि वह सायबर हमले भी करता है।

हमने ईरान में देखा कि वहां कुछ संस्थाओं पर बड़े सायबर हमले हुए। इसके पीछे इस्राइल का ही हाथ माना जाता है। इसका मतलब हुआ कि वह रक्षा करना जानता है और हमला करना भी।

पश्चिमी देशों में अमेरिका से सीखना होगा कि किस तरह से ओपन सोसायटी की सुरक्षा की जाए।

गलवान की घटना के बाद होने वाले हमलों को देखें, तो यह मानना गलत नहीं होगा कि हमारी जितनी संस्थाएं हैं, वे हैकिंग का शिकार हो रही हैं। भारत को इस सचाई को स्वीकार करके पॉलिसी बनानी पड़ेगी। हम एक खुली सोसायटी हैं। यहां लोकतंत्र है। चीन की तरह हम खुद को बंद नहीं कर सकते, इसलिए अपने क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को सेफ करना होगा। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फार्मा इंडस्ट्री, पावर ग्रिड आते हैं।

यह मानकर चलना होगा कि महत्व की ऐसी चीजों को निशाना बनाया जाएगा, जैसे पिछले दिनों पावर ग्रिड्स पर सायबर अटैक हुए थे। अगर आपको लगता है कि चीन के साथ सीमा पर जो लड़ाई चल रही है, वही असल लड़ाई है तो जान लीजिए कि 'ड्रैगन' ऐसे कभी नहीं लड़ता। वह दूसरे देश की कमजोरी पर हमला करता है। हमने जब दिखा दिया कि हम भी बॉर्डर पर खड़े हो सकते हैं, तो वह वहां पर क्यों लड़ाई करेगा? वह हमारी कमजोरी को ढूंढेगा और वहां हमला करेगा। और सायबर डिफेंस मामले में हम कमजोर हैं भी। हमारी सरकारी वेबसाइटें हैक हो जाती हैं, डेटा सेंटर्स हैक हो जाते हैं।

स्ट्रैटिजिक पॉलिसी चाहिए

न्यूक्लियर वॉर के मामले में जो लॉजिक इस्तेमाल होता है, वही लॉजिक सायबर अटैक के मामले में भी है।

दूसरा देश तभी सायबर वॉर से हिचकिचाएगा, जब उसे लगेगा कि आप भी हमला कर सकते हैं। यह वैसी बात नहीं कि बंदूक अमेरिका और राफेल फ्रांस से खरीद लाए। यह सायबर सिक्यॉरिटी कोऑर्डिनेशन का मामला है। ऐसा कहना हमारे स्ट्रैटिजिक कल्चर में नहीं है। हालांकि हमले की क्षमता बनाना बहुत मुश्किल काम नहीं। अगर आपको हैकर्स चाहिए, तो आज भारत में ढेरों मिल जाएंगे। यंगस्टर्स तो इस काम में माहिर हैं। ब्रिटेन का मुझे पता है। वहां ऐसे ही लोगों को रखा गया है। भारत में लेकिन इस तरह का कोई प्रावधान ही नहीं। अभी बस इस बारे में सोचा ही जा रहा है। वैसे नीति बनाने वालों को अच्छे से पता है कि उनके पास अब कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

कहीं चुनावी पैंतरा तो नहीं है लव जिहाद

भूपेन्द्र पटेल

लव जिहाद और धर्मांतरण के मसले पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सियासत गरम है। जम्मू-कश्मीर में सिख लड़की और मुस्लिम लड़के से जुड़े मामले को लव जिहाद से जोड़ा गया। वहां इस मुद्दे पर पिछले एक हफ्ते से तीखा आरोप-प्रत्यारोप चला और सिख संगठनों ने सरकार से उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश की तर्ज पर लव जिहाद कानून बनाने की मांग की। आरोप है कि दो सिख लड़कियों को श्रीनगर में जबरन दूसरे समुदाय के लोगों से शादी के लिए बंधक बनाया गया। हालांकि बाद में इस प्रकरण के कई अन्य पहलू भी सामने आए, जो लव जिहाद के दावों के विपरीत थे। खैर, तब तक लव जिहाद का मुद्दा जोर पकड़ चुका था। यह मामला ऐसे समय में उठा है, जब जम्मू कश्मीर में चुनावों की सुगबुगाहट शुरू हो गई है।

अगले साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। कुछ लोग इसे उनसे भी जोड़कर देख रहे हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि पिछले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों ने इस दिशा में कानून बनाने की पहल की है। कानून बनाने के लिए राज्यों ने अध्यादेश का रास्ता अपनाया। इस बीच, लव जिहाद पर दोनों तरह के तर्क सामने आए हैं। मामला हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा है और कुछ में सुनवाई भी चल रही है। इसके अलावा बीजेपी शासित राज्य मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, असम और हिमाचल प्रदेश में लव जिहाद से संबंधित कानून या तो बन गए हैं या इसे बनाने की पहल की जा चुकी है। गुजरात में तो पिछले महीने ही यह कानून प्रभाव में आ गया है।

सालों पुराना है अजेंडा

जानकार कहते हैं कि लव जिहाद से जुड़ा कानून कोई नया नहीं है। पहले ही मध्य प्रदेश सहित 10 राज्यों में इससे जुड़ा कानून था। इस बार इसमें संशोधन करके दोषियों को कड़ी सजा देने का प्रावधान किया गया है।

अब लव जिहाद के मामलों में 5 से 10 साल की जेल हो सकती है। उधर, विपक्ष इस मामले पर अब तक चुप रहा है। उसे पता है कि पहले ही ऐसे मसलों पर उसका राजनीतिक नुकसान हो चुका है। इस कारण तमाम विपक्षी दल मुस्लिम संगठनों के निशाने पर भी आए। इन्हीं वजहों से ओवैसी की पार्टी ने कुछ राज्यों में अपनी सियासत मजबूत की। विपक्षी दलों को यह भी लगता है कि इन मुद्दों का सिर्फ सियासी मकसद है, जो उनके विरोध करने भर से पूरा हो

जाएगा। इसलिए विपक्ष ने इनसे खुद को दूर रखने का फैसला किया है।

याद रहे कि लव जिहाद के नाम पर राजनीति भले ही आज गरम हो, हिंदूवादी संगठनों के लिए यह मसला सालों पुराना है। साल 1909 में प्रखर हिंदूवादी नेता यूएन मुखर्जी ने धर्मांतरण का मुद्दा उठाया था और उस वक्त इस मुद्दे पर जोरदार बहस हुई थी। तब हिंदू संगठनों ने 'शुद्धि और संगठन' नाम से एक अभियान भी चलाया। यह अभियान आज पूरे देश में चल रहे 'घर वापसी अभियान' का ही एक रूप था। तब से लेकर आज तक यह हिंदू संगठनों के अजेंडे में अहम रहा है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्र में बीजेपी की सरकार बनी, तो कानून के स्तर पर भी इसकी पहल हुई।

दिलचस्प बात है कि लव जिहाद शब्द का पहली बार इस्तेमाल 2009 में केरल में वामदलों की ओर से किया गया था। वहां वामदलों ने ईसाइयों के मुस्लिम धर्म परिवर्तन का मुद्दा उठाया था। लेफ्ट के वीएस अच्युतानंदन यह मुद्दा उठाने वालों शुरुआती नेताओं में शामिल थे। मामले की जांच करते हुए केरल पुलिस ने कोर्ट में लिखित रिपोर्ट दी कि कई संगठन साजिशन केरल में लड़कियों को मुस्लिम बनाने के मकसद से प्रेम करते थे। दरअसल, केरल में लेफ्ट हिंदू और ईसाई वोट के सहारे सत्ता तक जाता रहा है। फिर कर्नाटक में इसका प्रयोग हुआ। बाद में बीजेपी और दूसरे हिंदू संगठनों ने इसे राष्ट्रीय मुद्दा बना डाला।

यह मुद्दा 2014 के बाद पहली बार तब बड़े पैमाने पर सामने आया, जब एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में एक संगठन की ओर से धर्म परिवर्तन करने का दावा किया गया। इसमें यह भी दावा किया गया कि यह संगठन विदेश से पैसा लेकर देश के अंदर इस तरह की गतिविधि करता है और हिंदू लड़कियों का ब्रेन वॉश करता है। इन सब कामों के लिए विदेश से हवाला के जरिए फंडिंग का भी आरोप लगा और जांच एजेंसी ने इससे जुड़े सबूत मिलने का भी दावा किया। फिर इससे संबंधित केस सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचे। हालांकि अभी तक इस मामले में जांच पूरी नहीं हो सकी है।

झारखंड में नहीं चला धर्मांतरण का भूत

हिंदू संगठनों ने लव जिहाद को मुस्लिम और ईसाइयों की ओर से धर्म परिवर्तन की एक बड़ी साजिश के रूप में लिया है। कहीं इसका राजनीतिक लाभ मिलता है तो कहीं इसका नुकसान भी उठाना पड़ता है। कुछ साल पहले झारखंड में पत्थलगड़ी आंदोलन का खामियाजा बीजेपी को भुगतना पड़ा। हालांकि मामला आदिवासियों की परंपरा से जुड़ा बताया जाता था, लेकिन तब सत्तारूढ़ बीजेपी ने इस आंदोलन को धर्म परिवर्तन करने वाले ईसाई समुदाय के गठजोड़ में चलने वाली साजिश का बताते हुए ध्रुवीकरण की कोशिश की थी। हजारों लोगों पर उसने मुकदमे भी किए। कुछ इलाकों में बीजेपी को जरूर सफलता मिली, लेकिन कुल मिलाकर देखा जाए तो उसे नुकसान हुआ क्योंकि इस आंदोलन के बहाने जेएमएम और कांग्रेस को आदिवासी समुदाय के बीच अपना खोया जनाधार वापस मिल गया। हालांकि बीजेपी का मानना है कि लव जिहाद एक ऐसा मामला है, जिससे उसे व्यापक समर्थन मिला है।

फर्जी 'पहचान' पर टिकट की 'किटकिट', वैक्सिनेट लोगों को मिल सकती है लोकल में अनुमति

मुंबई, पिछले कुछ दिनों से मुंबई लोकल में फर्जी पहचान-पत्र से टिकट लेने वालों की तादाद बढ़ गई थी। पश्चिम और मध्य रेलवे से मिलाकर यात्री संख्या 35 लाख के करीब पहुंच गई थी। बिना अनुमति वाले लोगों की भीड़ बढ़ने के बाद राज्य सरकार और रेलवे ने सख्ती शुरू कर दी है। रेलवे से प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब कामकाजी दिनों में रोजाना करीब 22 लाख लोग चल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वैक्सिनेट लोगों को जल्द ही अनुमति दी जा सकती है।

60% फर्जी पहचान पत्र

रेलवे के अनुसार चेकिंग के दौरान करीब 60% लोग फॉर्मेसी, मेडिकल या चैरिटेबल हॉस्पिटल के आईडी दिखाते हैं। इन पर संदेह होता है।

इनमें से ज्यादातर की जांच करने के बाद उनके कार्ड जाली निकलते हैं।

कुछ बुकिंग क्लर्क ने बताया कि जब टिकट खरीदते वक्त आईडी दिखाने वाले लोगों से क्रॉस चेकिंग के दौरान जीएसटी नंबर या कंपनी का अड्रेस पूछते हैं, तो वे लोग सुन्न हो जाते हैं।

पकड़े गए हजारों लोग

टिकट निरीक्षकों से बात करने पर पता चलता है कि सुबह भीड़ के कारण ज्यादा लोगों को रोक नहीं

पाते हैं, इसलिए कई बार ट्रेनों में चेकिंग करनी पड़ रही है।

इस दौरान कई लोग फेक आईडी के साथ पकड़े जा रहे हैं। रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में 3500 लोगों पर फर्जी कार्ड रखने का मामला दर्ज किया गया। इस दौरान 1.5 लाख लोगों पर बिना टिकट यात्रा करने का जुर्माना लगाया गया।

पश्चिम रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 25 जून तक फर्जी पहचान-पत्रों के 740 केस बनाए थे।

टिकट के लिए बहस

बुकिंग क्लर्क का कहना है कि सुबह पीक ऑवर्स में न तो ज्यादा पहचान-पत्र देख सकते हैं और न ही ज्यादा सवाल-जवाब होते हैं। लेकिन दोपहर के समय जब किसी पहचान-पत्र पर शक होता है, तो सवाल-जवाब के दौरान कई बार बहस हो जाती है। बुकिंग क्लर्क के अनुसार फर्जी पहचान-पत्र बनवाने वाले 80% लोग मेडिकल या फॉर्मेसी के पहचान-पत्र लेकर घूम रहे हैं।

फिर से क्यूआर कोड

फर्जी यात्रियों की संख्या बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने यूनिवर्सल ट्रैवल पास योजना बनाई है।

इसमें सरकारी अनुमति और कंपनी के स्टांप के अलावा पास धारक की तस्वीर भी रहेगी।

इसके साथ क्यूआर कोड के जरिए पासधारक की पूरी जानकारी भी ली जा सकती है।

सूत्रों के

अनुसार महाराष्ट्र सरकार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई बैठक में अब वैक्सिनेट लोगों को लोकल ट्रेनों में अनुमति देने पर विचार हो रहा है।

रेलवे के अधिकारी ने बताया कि एक आध महीने में इस पर निर्णय लिया जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मूल्यांकन मानदंडों की घोषणा की

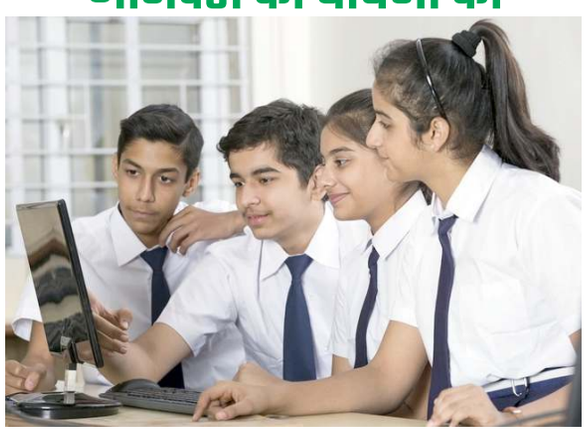

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण इस साल रद्द की गई राज्य बोर्ड की परीक्षाओं के बाद 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अंकों के आवंटन की नीति की घोषणा की है। राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने इसकी घोषणा की है।

उन्होंने बताया कि किसी विद्यार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की आंतरिक परीक्षाओं में कॉलेज आधारित मूल्यांकन में उसके अंक और 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले विषयों के औसत को माना जाएगा। गायकवाड़ ने एक बयान में कहा, ''विभिन्न हितधारकों से कई चरण के विचार-विमर्श के बाद, हमने आकलन के तरीके को अंतिम रूप दिया है और 12वीं कक्षा के उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के लिए अंकों की गणना के लिए नीति बनाई है। वैश्विक महामारी की स्थिति को देखते हुए, राज्य बोर्ड को सभी विद्यार्थियों को उत्तीर्ण करने की अनुमति दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''विद्यार्थी के प्रदर्शन की सही एवं निष्पक्ष झलक के लिए, 12वीं और 11वीं कक्षाओं में कॉलेज आधारित मूल्यांकन में उसके अंकों और 10वीं की बोर्ड परीक्षा में तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले विषयों के प्राप्तांकों पर विचार किया जाएगा।'' मंत्री ने बताया कि थ्योरी (सिद्धांत) वाले हिस्से के लिए 12वीं कक्षा के एक या उससे अधिक (यूनिट टेस्ट/ पहले सेमेस्टर की परीक्षा/ अभ्यास परीक्षा) के थ्योरी प्रश्नपत्रों को 40 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा जबकि 11वीं कक्षा की अंतिम परीक्षा और तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले 10वीं कक्षा के थ्योरी पेपरों के औसत अंकों का वेटेज 30-30 प्रतिशत होगा। गायकवाड़ ने कहा कि समग्र मूल्यांकन थ्योरी प्रश्नपत्रों और मौखिक/व्यावहारिक/आंतरिक मूल्यांकन में छात्रों के प्रदर्शन का माप होगा। मौखिक/व्यावहारिक/आंतरिक मूल्यांकन के अंक बोर्ड की प्रचलित नीति के मुताबिक वास्तविक आधार होंगे। उन्होंने कहा, ''बेशक यह तदर्थ व्यवस्था होगी लेकिन यह विश्वसनीय आंकड़ा बिंदुओं का इस्तेमाल करते हुए निरंतर मूल्यांकन के भावना को बरकरार रखने का प्रयास है।

मुंबई-गोवा हाईवे पर मौजूद जानलेवा गड्ढों को तुरंत भरें, बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया सरकार को आदेश

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई गोवा हाईवे पर मौजूद जानलेवा गड्ढों को तुरंत भरने का आदेश दिया है। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को महाराष्ट्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधिकरण (एनएचएआई) को निर्देश दिया है कि वे मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए गड्ढों को भरें और मरम्मत का काम पूरा कराएं। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी की पीठ ने प्राधिकरण को निर्देश दिया कि जहां भी सड़कों को चौड़ा करने का काम चल रहा है वहां वे ढंग से बैरीकेड से बनाएं ताकि 'जनहानि' होने से रोकी जा सके। पीठ मुंबई-गोवा राजमार्ग से रोजाना आने-जाने वाले ओवैस पेचकार द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पेचकार ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह राज्य और केन्द्रीय प्रधिकरणों को सड़कों पर हुए गड्ढे भरने का निर्देश दें क्योंकि उनके कारण सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। पेचकार ने इससे पहले 2018 में भी जनहित याचिका दायर कर उच्च न्यायालय की एक पीठ से ऐसे ही निर्देश देने का अनुरोध किया था। यह एहसास होने के बाद कि 2018 के बाद प्राधिकरणों ने राजमार्ग की मरम्मत के लिए बहुत ही कम काम किया है, पेचकार ने हालिया याचिका इसी सप्ताह के शुरुआत में डाली थी।

पुलिस के डर से चौथी मंजिल से आरोपी ने लगाई छलांग, हुई मौत

भिवंडी, गुजरात पुलिस भिवंडी में क्राइम ब्रांच की मदद से निजामपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत कुरेश नगर में चोरी के एक आरोपी को पकड़ने आई थी। पुलिस को देखते ही आरोपी युवक भागने लगा|

इस दौरान चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे गिरने के कारण उसकी मौत हो गई|

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने खिड़की से छलांग लगा दी। युवक की मौत के बाद वहां बड़ी संख्या में आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा| वहीं आरोपी युवक के परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि सिविल ड्रेस

में आई गुजरात पुलिस ने उसे खिड़की से नीचे फेंक दिया| इस घटना को लेकर पुलिस उपायुक्त योगेश चव्हाण ने बताया कि इस मामले की जांच करके दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, कुरेशनगर का रहने वाला जमील कुरेशी उर्फ जमील टकले (38) के विरुद्ध गुजरात के वापी में चोरी का एक मामला दर्ज था| उसे पकड़ने के लिए गुजरात पुलिस भिवंडी आई थी| गुजरात पुलिस भिवंडी क्राइम ब्रांच की मदद से आरोपी के घर उसे पकड़ने आई थी| इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिसकर्मी आरोपी युवक की लाश चादर में उठाकर ले जा रहे थे, तभी उसके परिवार सहित आसपास के लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया| भीड़ से बचने के लिए पुलिसकर्मी वहां से जान बचाकर भाग निकले।

घटना की सूचना मिलने पर भारी संख्या में वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया| पुलिस बल के पहुंचने के बाद पंचनामा करके शव पोस्टमॉर्टम के लिए आईजीएम उपजिला अस्पताल भेज दिया गया| इस हमले में उसकी पत्नी एवं भतीजे को भी चोट लगी है| उन लोगों ने आरोप लगाया है कि गुजरात पुलिस ने जमील कुरेशी को चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे फेंक दिया और इन लोगों के विरोध करने पर उन्हें भी मारा पीटा है।

मुंबई में लुटेरे ने की बुजुर्ग महिला की हत्या

मुंबई, दक्षिण मुंबई में एक अज्ञात बदमाश ने 65 वर्षीय एक महिला की उसके घर पर कथित रूप से हत्या कर दी और उसका कीमती सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घटना जे जे मार्ग स्थित डायमंड कटर इमारत में बुधवार और बृहस्पतिवार रात हुई। अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की पहचान रेहाना सिद्दिकी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, ''घटना उस वक्त हुई जब सिद्दिकी अपने घर पर अकेली थीं। आरोपी उनके फ्लैट में घुसा और गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी और फिर वह उनके जेवर, दो मोबाइल फोन तथा अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया।''पीड़िता की 37 वर्षीय बेटी घटना की सूचना मिलने के बाद जब बृहस्पतिवार दोपहर मौके पर पहुंची तो उसने वहां अपनी मां को मृत पाया। पीड़िता की बेटी पेशे से जिम प्रशिक्षक हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिद्दिकी की बेटी ने जे जे मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी, जिसके बाद हत्या और लूटपाट का मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है।

कर्जत पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दूध में मिलावट का लाखों रुपयों का सामान जब्त

कर्जत, महाराष्ट्र के अहमदनगर में दूध में पाउडर के जरिये मिलावट करने वालों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। दूध में मिलावट के लिए लाए गए लाखों रुपये के पाउडर को पुलिस ने जब्त किया है। इस पाउडर की कीमत 4 लाख 28 हज़ार रुपये हैं। कर्जत पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि खेड गांव की तरफ एक स्विफ्ट कार जा रही है जिसमें दूध में मिलावट करने वाला पाउडर भारी मात्रा में है। सूचना के बाद पुलिस ने जाल बिछाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने इनके पास से 25 किलो ग्राम वजन की 8 बोरियां जब्त की

महाराष्ट्र के कर्जत में दूध में मिलावट करने वाला पाउडर जब्त

है। जब्त की गई प्रत्येक बोरी की कीमत 3500 रुपये है।

अगर यह पाउडर घर पहुंच जाता तो भारी मात्रा में दूध में मिलावट की जाती है और फिर उसे बाजार में बेचा जाता। हालांकि सही समय पर कार्रवाई कर पुलिस ने लोगों को मिलावटी दूध पीकर बीमार होने से बचा लिया है।

मुंबई में एक कोरोना मरीज पर होगी 32 की टेस्टिंग

मुंबई, कोरोना महामारी की कमजोर पड़ती दूसरी लहर के बावजूद बीएमसी ने अभी चैन की सांस नहीं ली है। भले ही तीसरी लहर ने अभी दस्तक नहीं दी है, लेकिन उससे मुकाबले की तैयारियां बीएमसी ने अभी से शुरू कर दी हैं। मुंबई में कोरोना के नए मामलों में लगातार आ रही कमी के बाद पिछले कुछ दिनों से फिर वृद्धि देखी जा रही है। इसे बीएमसी ने गंभीरता से लिया है। इसीलिए अब हर हाई रिस्क वॉर्ड में एक मरीज के पीछे 32 लोगों की टेस्टिंग करने का फरमान बीएमसी ने वहां के मेडिकल अफसरों को जारी किया है। उनमें लक्षण दिखने पर बीएमसी की डिस्पेंसरी में टेस्टिंग होगी। बता दें कि 23 जून से मुंबई के कुछ वॉर्डों में कोरोना के नए मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसे नियंत्रित करने और तीसरी लहर को रोकने के लिए बीएमसी ने ऐक्शन प्लान बनाया है।

इसके तहत एपिडेमिक सेल रोज मुंबई के 10 हाई रिस्क वॉर्डों की पहचान करेगी। इन वॉर्डों में मेडिकल अफसरों को हर पॉजिटिव मरीज के पीछे 32 लोगों की टेस्टिंग करनी होगी। इसके अलावा, पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आनेवाले लोगों की 100 फीसद कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को 72 घंटे में पूरा करना होगा। कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग में पाए गए लोगों में से हाई रिस्क श्रेणी में आने वाले लोगों की कोरोना टेस्टिंग 5 दिन या फिर उनमें लक्षण पाए जाने पर 14 दिन के भीतर करनी होगी।

हर वॉर्ड के वॉर रूम उन हेल्थ पोस्ट को सूचित करेंगे, जिनके अधीन आने वाले इलाकों में कोरोना के ज्यादा नए मामले मिल रहे हैं। फिर हेल्थ पोस्ट के जरिये वहां टेस्टिंग कैंप लगाए जाएंगे। टेस्टिंग के जरिये मिलने वाले नए मामलों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों को तुरंत दी जाएगी।

कूल-कूल लोकल ने बढ़ाई रेलवे की 'गर्मी'

मुंबई, इस शहर में यात्रियों को सुरक्षित करने और सुखद यात्रा कराने के लिए पिछले कई सालों से एसी लोकल ट्रेन चलाने का वादा तो कर दिया गया, लेकिन इन ट्रेनों को चलाना ही रेलवे के लिए परेशानी का सबब बन गया है। भारतीय रेलवे कभी इन एसी लोकल ट्रेनों को तोड़कर सेमी एसी लोकल चलाने की योजना बना रही है, तो कभी पूरा एसी रेक चलकर उसमें प्रथम और द्वितीय श्रेणी बनाने पर विचार कर रही है। मुंबई में एसी चलाने के लिए यात्री संगठनों और अब सामान्य लोगों से भी फीडबैक लिया जा रहा है।

क्या है यात्रियों का फीडबैक

मुंबई उपनगरीय ट्रेनों में भी मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे पर विभिन्न सोशियो-इकनॉमिकल बैकग्राउंड के लोग मिलेंगे। पश्चिम रेलवे पर एसी लोकल में भीड़ मिल जाएगी, तो मध्य रेलवे पर कोई टिकट खरीदने वाला भी नहीं मिलेगा। यात्रियों के मन की बात जानने के लिए रेलवे ने 15 जून से ऑनलाइन सर्वे कराया था। इसमें यात्रियों से ऑनलाइन फीडबैक लिए गए। 15 दिनों तक चले इस सर्वे में रेलवे को करीब 11 हजार फीडबैक मिले हैं। सूत्रों के अनुसार सर्वे में करीब 70% यात्रियों ने प्राइवेट कारों और अन्य वाहनों को छोड़कर सड़क की बजाय एसी लोकल से यात्रा करने की इच्छा जाहिर की है।

जरूरत है सही योजना की

रेलवे को करीब 50 से 55 हजार फीडबैक की उम्मीद थी। फिलहाल, 11 हजार फीडबैक से एक उम्मीद जगी है कि 65-70% लोग एसी लोकल में चलना तो चाहते हैं,

.लेकिन इसके लिए बेहतर प्लान की जरूरत है। मुंबई में फिलहाल

14 एसी लोकल ट्रेनें मौजूद हैं। इनमें से 9 एसी लोकल पश्चिम रेलवे और 4 एसी लोकल मध्य रेलवे के पास है। इन लोकल ट्रेनों को सेवा में शामिल नहीं किए जाने की वजह से इनकी कोडल लाइफ खत्म हो रही है। पिछले डेढ़ दो सालों में और ज्यादा नुकसान हुआ है।

रेलवे को किस बात का डर

एक एसी लोकल रेक को सेवा में शामिल करने से करीब दस से 12 सामान्य लोकल सेवाओं को हटाना पड़ता है। मुंबई में मौजूदा क्षमता के मुताबिक सामान्य सेवाओं को प्रभावित किए बिना अतिरिक्त सेवाएं चलाने का कोई रिक्त स्थान भी नहीं है।

क्या है यात्री संगठनों की राय

हमने रेलवे को मौजूदा 12 डिब्बों के रेक में तीन एसी रेक जोड़कर उसे 15 डिब्बे करने का सुझाव दिया है। इससे अतिरिक्त ट्रेनें नहीं चलानी पड़ेंगी-मधु कोटियन, मुंबई रेलवे प्रवासी संघ

एसी लोकल के टिकट का किराया मौजूदा प्रथम श्रेणी के टिकट के मुकाबले दस प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। एसी लोकल में भी प्रथम और द्वितीय श्रेणी बनाई जा सकती है-सुभाष गुप्ता, रेल यात्री संघ

मुंबई में एसी लोकल चलाने का सबसे सही फॉर्म्यूला सेमी एसी लोकल का ही है। रेलवे चाहे, तो प्रथम श्रेणी के कोच को भी एसी में बदल सकती है-शैलेश गोयल, सदस्य (जेडआरयूसीसी)

रेलवे की परेशानी

-मुंबई में मौजूद 13 एसी लोकल के रेक अलग-अलग कंपनियों ने बनाया है, जो मौजूदा सामान्य ट्रेनों से अलग है। इसीलिए इन रेक को मौजूदा लोकल में नहीं जोड़ा जा सकता।-एसी लोकल को शामिल करने से सामान्य सेवाएं प्रभावित होंगी। इससे पीक ऑवर्स में शेड्यूल बिगड़ेगा और ये रिस्क रेलवे नहीं लेना चाहती।

-एसी लोकल प्लैटफॉर्म पर पहुंचने के बाद दरवाजा खुलने और बंद होने में ज्यादा टाइम लेती है, इसलिए जितनी ज्यादा एसी सर्विस होंगी, उतना ही शेड्यूल खराब होगा।

आयुर्वेद के अनुसार इन चीजों को चेहरे पर लगाने से जड़ से खत्म होती है स्किन प्रॉब्लम्स

महंगे प्रॉडक्ट्स पर खर्च करना हमेशा समझदारी नहीं है। आप अगर अपनी स्किन का ख्याल रखना चाहते हैं, तो रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजों से भी अपनी स्किन को निखार सकते

हैं। आयुर्वेद में इन चीजों को प्राकृतिक सुंदरता बनाए रखने के लिए सबसे बेस्ट माना जाता है।

कच्चा दूध

कच्चे दूध में मौजूद फैट और लैक्टिक ऐसिड आपके चेहरे से गंदगी हटाने में मदद करते हैं जिससे स्किन के पोर्स खुल जाते हैं इसलिए अगर आपके चेहरे पर कोई भी परेशानी है, तो आप कच्चा दूध इस्तेमाल कर सकते हैं। नीम :

नीम में ऐंटी-इंफ्लेमेटरी, ऐंटी-बैक्टीरियल, ऐंटी-वायरल और ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टी पाई जाती है। ऐसे में आपको नीम का इस्तेमाल करते रहना चाहिए। आप नीम फेसपैक बनाकर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही अगर आपको चेहरे पर नीम पैक लगाने में परेशानी हो, तो आप गुनगुने पानी में 5-10 मिनट नीम की पत्तियां डालकर इससे चेहरा भी धो सकते हैं।

हल्दी

इसमें ऐंटीसेप्टिक, ऐंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी मौजूद होती है। हल्दी के साथ दूध मिलाकर इसे फेस पैक के तौर पर लगाने से आपकी स्किन लंबे समय तक जवां और चमकदार रह सकती है। वहीं, हल्दी आपके चेहरे के दाग-धब्बों को भी दूर करती है।

नारियल तेल

नारियल तेल सिर्फ बालों के लिए ही नहीं बल्कि आपकी स्किन के लिए भी सर्दियों में वरदान साबित हो सकता है। ऐंटिसेप्टिक गुणों से भरपूर नारियल तेल ड्राई स्किन की प्रॉब्लम दूर करने में मददगार है। सर्दियों में त्वचा के फटने और रैशेज होने की दिक्कत भी

मनोज जोशी

नारियल तेल से दूर हो जाएगी। ऐसे में सर्दियों में नारियल लगाना बहुत ही फायदेमंद होता है।

चंदन

चंदन को चेहरे की हर एलर्जी के लिए रामबाण माना जाता है।ऐसे में चंदन का इस्तेमाल करने से आपका चेहरा बेदाग हो जाता है।आपको गर्मियों में चंदन का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए।

विशेषज्ञों ने उठाए डब्ल्यूएचओ के कोरोना उत्पत्ति की जांच पर सवाल

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह पता लगाने के लिए अगले चरण की जांच के लिए योजनाएं बनाई है कि कोरोना वायरस महामारी कैसे शुरू हुई, लेकिन इस बीच कई वैज्ञानिकों का कहना है कि संयुक्त राष्ट्र की यह एजेंसी इस काम के लिए उचित नहीं है और उसे इसकी जांच नहीं करनी चाहिए।

डब्ल्यूएचओ से मजबूत संबंध रखने वाले विशेषज्ञों समेत कई विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच राजनीतिक तनाव ने एजेंसी के लिए विश्वसनीय जवाब ढूंढने के उद्देश्य से जांच करना असंभव बना दिया है।

कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए डब्ल्यूएचओ-चीन के संयुक्त अध्ययन के पहले हिस्से का मार्च में निष्कर्ष निकला था कि यह वायरस संभवत: पशुओं से मनुष्यों में आया और इसके प्रयोगशाला से लीक होने की संभावना बेहद कम है। जांच के अगले चरण में मनुष्यों में इस वायरस के पहले मामले की विस्तार से या इसके लिए कौन-से पशु जिम्मेदार है, यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी।

ऐसा माना जाता है कि कोरोना वायरस संभवत: चमगादड़ों से

फैला। इस महामारी के प्रयोगशाला में शुरू होने की संभावना ने हाल ही में तब गति पकड़ी जब राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका की खुफिया सेवा को 90 दिनों के भीतर इसकी पड़ताल करने का आदेश दिया।

इस महीने की शुरुआत में डब्ल्यूएचओ के आपात संबंधी कामों के प्रमुख डॉ. माइकल रयान ने कहा कि एजेंसी अपनी जांच के अगले चरण की जानकारियों को अंतिम रूप देने पर काम कर रही है और चूंकि डब्ल्यूएचओ 'देशों से अनुरोध करने के आधार पर काम करता है तो उसके पास चीन को जांच में सहयोग करने के लिए विवश करने की शक्ति नहीं है।

कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि

संजय शर्मा

यही कारण है कि डब्ल्यूएचओ की अगुवाई वाली जांच का विफल होना तय है। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में जन स्वास्थ्य कानून और मानवाधिकारों पर डब्ल्यूएचओ के सहयोग केंद्र के निदेशक लॉरेंस गोस्टिन ने कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन पर निर्भर रहते हुए कभी इसकी उत्पत्ति का पता नहीं लगा पाएंगे। डेढ़ साल से चीन उन्हें अनसुना करता रहा है और यह स्पष्ट है कि वह कभी इसकी तह तक नहीं पहुंच पाएंगे।

नींद पूरी न हो तो भटकता है मन और होती है ध्यान की कमी

व्यक्ति का ध्यान एक शक्तिशाली लेंस है, जिसकी मदद से उसका दिमाग हर सेकेंड उस तक पहुंचने वाली सूचनाओं के भारी प्रवाह में से प्रासंगिक विवरणों को चुन लेता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का अनुमान है कि व्यक्ति अपना आधा जागने वाला समय हमारे हाथ में जो काम है, उसके अलावा किसी और चीज के बारे में सोचते हुए बिताते हैं। हमारे दिमाग भटक रहे हैं। इसके संभावित नकारात्मक परिणामों को देखते हुए, जो स्कूल या काम के प्रदर्शन में कमी से लेकर दुखद यातायात दुर्घटनाओं तक हो सकते हैं, यह परेशान करने वाला है। हम जानते हैं कि जब हम पूरी नींद नहीं ले पाते हैं तो मन-भटकना और ध्यान की कमी अधिक महसूस होती है, जो यह बताती है कि ऐसा तब हो सकता है जब हमारे मस्तिष्क में मौजूद न्यूरॉन्स वैसा व्यवहार करने लगते हैं, जैसा वह नींद के समय करते हैं। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित नए शोध में नींद और ध्यान की कमी के बीच संबंधों का परीक्षण किया। लोगों की दिमागी तरंगों पर उनके ध्यान की खुद की अवस्थाओं के विरुद्ध नजर रखकर, हमने पाया कि मन भटकने लगता है जब मस्तिष्क के

कुछ हिस्से सो जाते हैं जबकि इसका अधिकांश भाग जागता रहता है। जब आप जाग रहे हों तो मस्तिष्क के हिस्से सो सकते हैं। हमारा ध्यान भीतर की ओर निर्देशित करना बहुत उपयोगी हो सकता है। यह हमें अपने आंतरिक विचारों पर ध्यान केंद्रित करने, अमूर्त अवधारणाओं में हेरफेर करने, यादों को पुनः प्राप्त करने या रचनात्मक समाधान खोजने में मदद कर सकता है। लेकिन बाहरी और आंतरिक दुनिया पर ध्यान केंद्रित करने के बीच आदर्श संतुलन बनाए रखना कठिन होता है, और किसी दिए गए कार्य पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी क्षमता आश्चर्यजनक रूप से सीमित है। जब हम थक जाते हैं तो हमारा ध्यान पर नियंत्रण गड़बड़ा जाता है। साथ ही, हमारा दिमाग स्थानीय गतिविधि दिखाना शुरू कर देता है जो नींद से मिलती-जुलती होती है जबकि अधिकांश मस्तिष्क स्पष्ट रूप से जागता हुआ दिखाई देता है।

"स्थानीय नींद के रूप में जानी जाने वाली इस घटना को पहले नींद से वंचित जानवरों और फिर मनुष्यों में देखा गया था। हम जांच करना चाहते थे कि क्या स्थानीय नींद अच्छी तरह से आराम करने वाले लोगों में भी हो सकती है, और क्या यह ध्यान में बदलाव का कारण बन सकती है।

भटकता हुआ दिमाग और खाली दिमाग- मस्तिष्क की गतिविधि और ध्यान की चूक के बीच संबंधों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, हमने स्वस्थ युवा स्वयंसेवकों को एक उबाऊ कार्य करने के लिए कहा, जिसमें निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। जैसा कि अनुमान था, उनका ध्यान अक्सर कार्य से हट जाता था। और जब उनका ध्यान हट गया, तो उनका प्रदर्शन कम हो गया।

प्रेग्नेंसी के पहले 3 महीने होते हैं बेहद खास, खानपान से लेकर रुटीन चेकअप तक ऐसे रखें ध्यान

पहली बार मां बनने का अहसास बेहद खास और अलग होता है। सब कुछ नया महसूस करने वाली मां भीतर से थोड़ी डरी और खुश, एकसाथ दोनों चीजों का अनुभव कर रही होती है। ऐसा इसलिए, पहली बार मां बनते समय कई ऐसी जरूरी बातें होती हैं जो महिलाओं को अच्छे से नहीं पता होती हैं। लेकिन अपने और बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य के लिए हर महिला को इन बातों का पता होना बहुत जरूरी है।

प्रेग्नेंसी के नौ महीनों की गिनती आखिरी पीरियड्स के पहले दिन से की जाती है। इन 9 महीनों को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा जाता है। डॉक्टरों की मानें तो गर्भावस्था के शुरुआती तीन महीने हर महिला के लिए बेहद खास होते हैं। इस समय बरती गई थोड़ी सी सावधानी से महिला का बच्चा न तो प्रीमैच्योर होता है और न ही शारीरिक रूप से विकलांग।

आइए जानते हैं प्रेग्नेंसी के पहले 3 महीने खानपान से लेकर अपने रूटीन चेकअप तक पहली बार मां बनने वाली महिला को रखना चाहिए किन बातों का ध्यान।

पहली तिमाही (फर्स्ट ट्राइमेस्टर)

9 महीनों को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा जाता है। पहले 3 महीने फर्स्ट ट्राइमेस्टर के चरण में आते हैं। इस दौरान गर्भ में भ्रूण का विकास होना शुरू होता है। महिला का शरीर कई तरह के शारीरिक और हार्मोनल बदलावों से होकर गुजर रहा होता है। ये महीने सबसे ज्यादा चुनौती-भरे दिन भी होते हैं, इन्हीं महीनों में अबॉर्शन की आशंका सबसे ज्यादा बनी रहती है। इस दौरान डॉक्टर से पूछे बिना कोई भी दवा न लें। इस दौरान डॉक्टर से पूछे बिना ली गई दवाएं, आपके और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। बच्चे में संरचनात्मक विकार पैदा हो सकते हैं। डॉक्टर इस समय महिलाओं को फोलिक एसिड लेने की सलाह देते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान-

डॉक्टरों की मानें तो प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीनों में किसी भी महिला को ज्यादा भीड़भाड़, प्रदूषण और रेडिएशन वाली जगह पर जाने से बचना चाहिए। इसके अलावा ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर ट्रैवलिंग करने, लंबे समय तक खाली पेट रहने और अधिक मिर्च का सेवन करने से भी बचना चाहिए। महिलाओं को कोशिश करनी चाहिए कि वो थोडे-थोडे अंतराल पर कुछ-कुछ खाती रहें और फल, नारियल पानी या ग्लूकोज मिला पानी आदि लेती रहें।

डाइट का भी रखें ध्यान-

मॉर्निंग सिकनेस से बचने के लिए नींबू-पानी या अदरक की चाय पी जा सकती हैं। दिनभर में कम से कम 3-4 बार तरल चीजें, जैसे छाछ, नींबू-पानी, नारियल पानी, फलों का जूस या शेक का सेवन करें। ऐसा करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। इन तीन महीनों में बच्चे के अंग बनने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में अपने खाने में ज्यादा से ज्यादा पौष्टिक चीजों को शामिल करने की कोशिश करें।

रुटीन चेकअप्स-

-एंटीनेटल स्क्रीनिंग टेस्ट (ब्लड ग्रुप और आरएच, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, स्क्रीनिंग फॉर इन्फेक्शंस - एचआइवी, सिफलिस, रुबेला, हेपेटाइटिस सी,

हीमोग्लोबिनोपैथीज)नियमित रूप से जांच कराएं। हर 15 दिन में अपने डॉक्टर से अपना चेकअप अवश्य करवाएं।

-यूएसजी ताकि आपको अपनी डिलिवरी डेट के साथ यह भी पता चल जाए कि गर्भ में एक या उससे ज्यादा शिशु तो नहीं है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा दिलाने वाला रहेगा यह सप्ताह। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक दूर होंगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। नए कार्य प्रारंभ करेंगे। स्थान परिवर्तन के योग हैं। नए भूमि, भवन, वाहन खरीदेंगे। आध्यात्मिक और सेवा कार्यों में हिस्सा लेंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपके निर्णय को सर्वत्र सराहना मिलेगी।

वृषभ : भौतिक सुख, संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं। कार्यों को गति देने के प्रयास करें। संयम और धैर्य का शुभ परिणाम मिलने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में सफल होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने के योग बेहतर हैं। मित्रों और स्वजनों के सहयोग से बड़े संकटों को दूर करने में कामयाब होंगे। प्रेम और दांपत्य के मामलों में संभलकर रहें।

मिथुन : सप्ताह मेलजोल भरा रहेगा। घर-परिवार में मेहमान आएंगे। शुभ प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। दांपत्य में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। भाई-बहनों के साथ संबंधों में सुधार आएगा। किसी मनोरंजक यात्रा पर जाने के योग हैं। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी।

कर्क : इस सप्ताह आपकी सारी परेशानियों का हल मिलने वाला है। किसी विशेष सहयोगी की मदद से बड़े संकटों से मुक्ति पाने में सफल होंगे। क्रोध का परित्याग करें। कोई आपको उकसाने का प्रयास करे तो भी गुस्सा न करें, यह आपके हित में नहीं है। कोर्ट-कचहरी के मामले उलझ सकते हैं। पारिवारिक जीवन में थोड़ी परेशानियां आ सकती हैं।

सिंह : संकट आएंगे लेकिन उनका सामना करने की हिम्मत आपमें है और आप उनसे निश्चित रूप से पार पा लेंगे। परिवार में किसी सदस्य से विवादित स्थिति बन सकती है। सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को सराहना-सम्मान मिलेगा। पारिवारिक और निजी जीवन में सब कुशल मंगल रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कन्या : लेखन-पठन के कार्यों से जुड़े लोगों के लिए वक्त अच्छा है। समय निकालकर अपनी रुचियों पर ध्यान दें। मन-मस्तिष्क को शांत रखें। क्रोध आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। व्यर्थ के अहम का त्याग करना होगा। आर्थिक मसलों पर किसी से बहस हो सकती है। संकटों से पार पाने के लिए किसी का सहयोग लेना पड़ सकता है।

तुला : पैसों की बचत करने का लाभ इस सप्ताह मिलने वाला है। आकस्मिक रूप से पैसों की बड़ी जरूरत आ सकती है। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्य और संयम से काम लें। कोई परेशानी हो तो परिवार के बड़े लोगों से अवश्य कहें। नया कार्य इस सप्ताह प्रारंभ न करें तो बेहतर रहेगा। नौकरीपेशा को तरक्की के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक : अपने मन के मुताबिक कार्य करने की जगह अनुभवी लोगों की मदद लेंगे तो लाभ में रहेंगे। इस सप्ताह कोई बड़ा निर्णय अपने जीवन के बारे में ले सकते हैं। अविवाहितों के विवाह की बाधाएं दूर होंगी। कार्यों को गति देने में पीछे न हटें। समस्याओं का समाधान खुद ही सोचना होगा। प्रेमी-प्रेमिकाओं के लिए वक्त बेहतर है।

धनु : शारीरिक और मानसिक रूप से राहत महसूस करेंगे। पिछले दिनों से चली आ रही परेशानियां समाप्त होने को हैं। लेकिन ध्यान रखें अभी अधिक बड़ा निवेश नहीं करना है। आर्थिक संकट कम होंगे लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं होंगे। परिवार का प्यार और सहयोग बना रहेगा। आपसी सहयोग से कामयाबी हासिल करेंगे।

मकर : बहुत दिन से जिस काम के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे वह पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। कोई बड़ी कामयाबी इस सप्ताह मिल सकती है। आर्थिक संकटों का समाधान होगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा। प्रेम प्रसंगों में भी मनमुताबिक सफलता मिल सकती है। आपका प्रस्ताव स्वीकार होगा।

कुंभ : आलस्य का त्याग करें और जो काम टालते आ रहे थे उन्हें पूरा करने का प्रयास करें वरना मुसीबत बन जाएंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे लेकिन चुनौतियां भी रहेंगी। बिजनेस को आगे बढ़ाने के प्रयास स्वयं करने होंगे। दांपत्य, निजी जीवन में किसी तीसरे का प्रवेश हो सकता है। आपके धैर्य की परीक्षा कोई ले सकता है।

मीन : मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आपके किसी विशेष कार्य को सराहना मिलेगी और उसी से आपका नाम बड़ा होगा। नौकरीपेशा को तरक्की, बिजनेस में लाभ की संभावनाएं हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। नया भवन खरीदने के योग हैं। वाहन मशीनरी के कार्यों से जुड़े लोग लाभ की स्थिति में रहेंगे।

चुटकुले

गप्पू (मन ही मन सोचते हुए)...
मेरा तो दिमाग घूम गया ये सोच सोच कर कि कुछ लोग शादी के बाद भी 'ब्लड डोनेट' करते हैं...!
आखिर इतना बचता कैसे है?

जीजा साली होटल में खाना खाने गए
जीजा- अच्छा क्या लोगी तुम...?
साली - जो आप कहो...
जीजा - वेटर जरा मीनू लाना
साली - मैं भी मीनू खाऊंगी

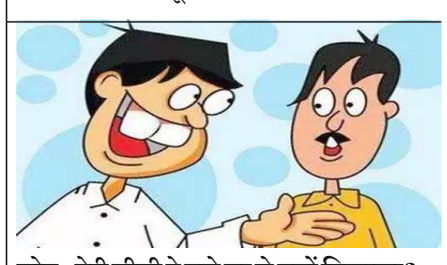

सोनू - तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला?
मोनू - भाई तेरे कहने पर उसे चैन गिफ्ट की थी, इसीलिए निकाला।
सोनू - चांदी की थी क्या?
मोनू - नहीं साइकिल की थी।

महाराज या फिर कोई 'रावत' ही...तीरथ सिंह रावत के बाद जानिए कौन बन सकता है उत्तराखंड का अगला मुख्यमंत्री

उत्तराखंड का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा,उसकी तस्वीर शनिवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में साफ होगी। अभी तक के सियासी समीकरणों के हिसाब से विधायकों में से ही मुख्यमंत्री तय किया जाएगा। इसमें सबसे प्रबल दावेदार के रूप में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का नाम शुमार किया जा रहा है। हालांकि, विधायक धन सिंह रावत, पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का नाम भी चर्चाओं है। मुख्यमंत्री तीरथ रावत शुक्रवार शाम को दिल्ली के तीन दिवसीय दौरे से लौटे। रात पौने दस बजे उन्होंने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों से रूबरू होकर अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई। सीएम बदलने की चर्चाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और सीधे चल गए।

इस बीच, माना जा रहा है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण के हिसाब से महाराज राज्य के नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। चूंकि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ब्राह्मण हैं तो फिर जातिगत समीकरण साधने के लिए ठाकुर नेता को ही सीएम बनाए जाने की सबसे ज्यादा संभावना है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा में शामिल होने के बाद महाराज ने संघ और हाईकमान के नेताओं पर विश्वास कायम किया है। यहां तक की लोकसभा व कई प्रदेशों में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें प्रचार अभियान की भी जिम्मेदारी सौंपी।महाराज के अतिरिक्त अन्य दावेदारों में कैबिनेट मंत्री बंशीधर भगत, बिशन सिंह चुफाल के साथ युवा चेहरों के रूप में राज्यमंत्री धनसिंह रावत और विधायक पुष्कर सिंह धामी के नाम की भी चर्चाएं हैं।

कुछ लोग पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत के नाम के भी कयास लगा रहे हैं। उधर, भाजपा ने शनिवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है। प्रांतीय मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की अध्यक्षता में अपराह्न तीन बजे यह बैठक बलवीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में होगी। पार्टी ने सभी मंत्रियों और विधायकों को तत्काल दून पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ ही उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में नेता सदन का चयन होगा। 2014 में भाजपा में आए थे महाराज एक जमाने में कांग्रेस के दिग्गज चेहरों में शुमार रहे सतपाल महाराज ने मार्च 2014 में पार्टी छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने तत्कालीन विधायक विधायक तीरथ रावत का टिकट काट कर महाराज को मैदान में उतारा था। विधायक निर्वाचित होने के बाद पहले त्रिवेंद्र रावत और निवर्तमान तीरथ रावत सरर में वे कैबिनेट मंत्री रहे। भाजपा को भाने लगा कांग्रेसी कल्चर भाजपा को अब कांग्रेस का कल्चर भी भाने लगा है। आसाम में हेमंता विस्वा सरमा को सीएम बनाए जाने के बाद पूर्व में कांग्रेसी कल्चर में रच-बसे और अब भाजपा में शामिल ऐसे नेताओं की किस्मत खुलने लगी है। हेमंता विस्वा भी अगस्त,15 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। इसी तरह प.बंगाल में टीएमसी छोड़ भाजपा में शामिल हुए शुभेंदु चौधरी को पार्टी नेता प्रतिपक्ष का औहदा सौंप चुकी है।

CDS रावत वायुसेना को बता दिया सेना की सपोर्टिंग विंग, भदौरिया ने दिया ऐसा जवाब

भारत में थिएटर कमांड के गठन को लेकर पिछले दिनों मीडिया रिपोर्ट्स में संकेत मिले कि रक्षा मंत्रालय, थल सेना और भारतीय नौसेना इसके गठन को पूरी तरह से तैयार हैं लेकिन अकेली भारतीय वायुसेना ही ऐसी है जो इस प्रक्रिया के खिलाफ है। इस बीच थिएटर कमांड के पक्षधर सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) को वायु रक्षा चार्टर के साथ-साथ जमीनी बलों के लिए सहायक शाखा बता दिया है। इसपर जवाब देते हुए वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी एकीकृत युद्ध अभियान में वायु शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

क्या कहा था सीडीएस रावत ने?

भारतीय वायुसेना की भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष रावत ने कहा था कि ये जमीनी बलों के लिए सहायक शाखा है और ये विंग थिएटर कमान में से एक देश में हवाई क्षेत्र के समग्र प्रबंधन को देखेगी। गौरतलब है कि थिंक-टैंक 'ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल (जीसीटीसी) द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में जनरल रावत और एयर चीफ मार्शल भदौरिया अलग-अलग एक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

'युद्ध में वायु शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका'

जनरल रावत की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने कहा, "यह अकेले सहायक भूमिका नहीं है। किसी भी एकीकृत युद्ध में वायु शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना एकीकृत थिएटर कमान की प्रस्तावित स्थापना के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। योजना के अनुसार, थिएटर कमान में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी और ये सभी एक ऑपरेशन कमांडर के तहत एक निर्दिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के वास्ते एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में थल सेना, नौसेना और वायुसेना के पास अलग-अलग कमान हैं। पूर्वी लद्दाख की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर भदौरिया ने कहा कि चीनी पक्ष ने इस क्षेत्र में अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाया है। उन्होंने कहा, "प्रारंभ में सैनिकों के पीछे हटने के बाद, जो हुआ है, आभासी प्रकार की यथास्थिति है। भारतीय वायुसेना क्षेत्र में स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।

थिएटर कमांड पर क्यों राजी नहीं वायुसेना?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वायुसेना अपनी सीमित हवाई संपत्ति को अलग-अलग थिएटर कमांडों के बीच बांटने का विरोध कर रही है, क्योंकि पश्चिमी और पूर्वी नौसैनिक बेड़े, समुद्री स्ट्राइक फाइटर जेट्स और भारतीय वायुसेना के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और सेना के दो इन्फैंट्री ब्रिगेड के कंट्रोल के अलावा कोस्ट गार्ड समुद्री थिएटर कमांड के अधीन हो जाएंगे।

आजमगढ़ में भाजपा के खेमे में सन्नाटा, सपा के पाले में भीड़

यूपी के 53 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आज मतदान शुरू हो गया है। यह दोपहर तीन बजे तक जिला कचहरी में होगा। पुलिस ने निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। हाईकोर्ट के निर्देशों के मद्देनज़र वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि सभी 53 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मतदान होने के तत्काल बाद मतगणना करवाई जाएगी और नतीजे घोषित होंगे।

भारत बायोटेक ने जारी किए फाइनल ट्रायल के नतीजे, कोरोना पर कोवैक्सीन 77.8 फीसदी प्रभावी, डेल्टा पर भी 65.2% असरदार

भारत की देसी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन के तीसरे और अंतिम चरण का ट्रायल पूरा कर लिया है और इसके नतीजे भी जारी कर दिए हैं। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने कहा कि उसने कोवैक्सीन के लिए फाइनल फेज- 3 के डेटा का विश्लेषण कर लिया है और उसकी कोवैक्सीन कोरोना के गंभीर मरीजों और डेल्टा वेरिएंट के मरीजों पर असरदार पाई गई है। भारत बायोटेक द्वारा जारी ट्रायल के डेटा के मुताबिक, फाइनल चरण के ट्रायल में देसी वैक्सीन कोवैक्सीन कोरोना के खिलाफ 77.8 फीसदी प्रभावी पाई गई है। वहीं, दुनिया भर में नया टेंशन देने वाले खतरनाक डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ यह टीका 65.2% असरदार पाया गया है।

प्री-प्रिंट डेटा का हवाला देते हुए भारत बायोटेक ने कहा कि उसकी कोवैक्सीन सिम्पटोमैटिक कोरोना मरीजों के खिलाफ 77.8 फीसदी कारगर है। वहीं, कोवैक्सिन कोरोना के गंभीर मरीजों के खिलाफ 93.4 फीसदी प्रभावी है। वहीं, कोरोना के डेल्ट वेरिएंट्स के खिलाफ यह 65.2 फीसदी कारगर है। भारत बायोटेक ने 130 कोरोना के पुष्ट मामलों पर ये ट्रायल किया है। अपने अंतिम चरण के डेटा के विश्लेषण के मुताबिकत, कंपनी ने कहा कि असिम्पटोमैटिक कोरोना मरीजों के खिलाफ कोवैक्सिन 63.6% असरदार है।

भारत बायोटेक के मुताबिक, कोवैक्सीन का ट्रायल देश के 25 अलग-अलग अस्पतालों में किया गया था। इसमें करीब 25800 वॉलंटियर्स शामिल हुए थे, जो 18 से 98 साल के आयु वर्ग के थे। तीसरे चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज दी गई यानी प्लास्बो दी गई। इससे पहले भारत बायोटेक की बनाए स्वेदशी कोरोना रोधी टीके कोवैक्सीन के असर को अमेरिका ने भी असरदार माना था। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) ने पाया था कि कोवैक्सीन से शरीर में बनी एंटीबॉडीज कोरोना वायरस के अल्फा और डेल्टा वेरिएंट्स से लड़ने में कारगर है। बता दें कि कोवैक्सीन को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के साथ मिलकर भारत बायोटेक ने बनाया है। एनआईएच ने बताया कि कोवैक्सीन लेने वाले लोगों के ब्लड सीरम के अध्ययन से यह पता चलता है कि टीके से जो एंटीबॉडीज बनती हैं, वह ब्रिटेन और भारत में सबसे पहले मिले कोरोना के B.1.1.7 (अल्फा) और B.1.617 (डेल्टा) वेरिएंट्स पर असरदार है।

उत्तराखंड में तीरथ सिंह रावत की गई कुर्सी...अब बंगाल में ममता बनर्जी पर मंडरा रहा 'संवैधानिक संकट', समझिए कैसे

कोलकाता, उत्तराखंड में तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा। संवैधानिक संकट की वजह से उन्होंने राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। दरअसल तीरथ सिंह रावत विधानसभा के सदस्य नहीं थे और वर्तमान हालात में उपचुनाव होना भी मुश्किल था। ऐसे में उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। इस बीच तीरथ सिंह रावत के बाद अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए भी मुश्किल हो सकती है।

संवैधानिक बाध्यता क्यों है?

10 मार्च 2021 को तीरथ सिंह रावत ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री की शपथ ली थी। ऐसे में 10 सितंबर से पहले उन्हें किसी सदन का सदस्य होना जरूरी थी। तीरथ ने संवैधानिक संकट और अनुच्छेद 164 का हवाला देते हुए इस्तीफे की बात कही है। अनुच्छेद 164(4) के अनुसार, कोई मंत्री अगर 6 माह की अवधि तक राज्य के विधानमंडल (विधानसभा या विधान परिषद) का सदस्य नहीं होता है तो उस समयसीमा के खत्म होने के बाद मंत्री का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। इस लिहाज से पश्चिम बंगाल की स्थिति भी उत्तराखंड जैसी ही दिख रही है। यहां सीएम ममता बनर्जी अभी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं।

ममता ने सीट तो खाली करा ली लेकिन चुनाव कब?

ममता बनर्जी ने 4 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। ऐसे में उन्हें शपथ लेने के दिन से छह महीने के अंदर यानी 4 नवंबर तक विधानसभा का सदस्य बनना जरूरी है और यह संवैधानिक बाध्यता है। उन्होंने अपने लिए एक सीट (भवानीपुर) खाली भी करा ली है लेकिन वह विधानसभा की सदस्य तभी बन पाएंगी जब तय अवधि के अंदर चुनाव हो सके। कोरोना की वजह से केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने सभी चुनाव स्थगित किए हुए हैं। चुनाव प्रक्रिया कब से शुरू होगी, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में अगर नवंबर तक भवानीपुर उपचुनाव के बारे में चुनाव आयोग फैसला नहीं लेता है तो ममता की गद्दी के लिए भी खतरा हो सकता है। ममता का विधान परिषद वाला दांव फेल बंगाल में जब आयोग चुनाव करा रहा था तब कई राजनीतिक दलों ने आयोग पर लोगों की जान से खेलने के आरोप लगाए थे। ऐसे में अब जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि चुनाव कराने से किसी की जान को खतरा नहीं है तो चुनाव होने की सूरत बनती नहीं दिख रही है। ममता ने हालात को समझते हुए, विधान परिषद वाला रास्ता निकालने की कोशिश की थी। उन्होंने विधानसभा के जरिए प्रस्ताव पास कराया कि राज्य में विधान परिषद का गठन हो लेकिन बगैर लोकसभा की मंजूरी के यह संभव नहीं है। केंद्र सरकार के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। ऐसे में विधान परिषद वाला रास्ता भी मुमकिन नहीं है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी इसी तरह की मुश्किल में फंस चुके हैं। उन्होंने 28 नवंबर 2019 को जब मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तो किसी सदन के सदस्य नहीं थे। उन्हें 27 मई 2020 तक किसी सदन का सदस्य बनना था।

डीएसपी केस-कमलकांत बेल मामले में सरकारी वकील के रवैये पर सवाल? सीआईडी ने गृह विभाग को चिट्ठी लिखकर की जांच की मांग

पटना, नाबालिग से रेप के मामले में आरोपी डीएसपी कमलाकांत प्रसाद के केस में लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। इस बीच सीआईडी ने गृह विभाग को पत्र लिखकर डीएसपी कमलाकांत प्रसाद की अग्रिम जमानत पर सुनवाई से पहले बड़ी मांग की है। पत्र में गया के स्पेशल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर (सरकारी वकील) के खिलाफ जांच की मांग की गई है। साथ ही सीआईडी ने 5 जुलाई को विशेष अदालत (पॉक्सो एक्ट) में आरोपी डीएसपी की जमानत का विरोध करने और अभियोजन पक्ष की बात ईमानदारी से रखने के लिए एडिशनल एडवोकेट की नियुक्ति का भी आग्रह किया है। जानिए क्या है पूरा मामला, जिसमें सीआईडी ने लिखा पत्र

इस मामले में सैयद कैसर शरफुद्दीन स्पेशल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर हैं। एडीजे-VII नीरज कुमार की विशेष अदालत ने इस मामले में अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान डीएसपी के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। सीआईडी (कमजोर वर्ग) के एडीजी अनिल किशोर यादव ने 28 जून को अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) चैतन्य प्रसाद को एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) नियम, 1995 के तहत प्रभारी अधिकारी के पद पर पत्र लिखा था। एडीजी ने इस पत्र में लिखा कि स्पेशल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर ने कोर्ट का ध्यान इस ओर आकर्षित नहीं किया कि पीड़ित एक अनुसूचित जाति है। साथ ही आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करना एससी/एसटी एक्ट की धारा-18 के तहत असंवैधानिक होगा।

एयरपोर्ट पर दिखा कोई ड्रोन, तो शूट कर देंगे स्नाइपर्स

नई दिल्ली: जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन हमले के बाद दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के अंदर एयर साइड में स्नाइपर तैनात किए गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब एयरपोर्ट के अंदर एयर साइड और रनवे के आसपास ब्लैक कैट कमांडो की ट्रेनिंग से लैस सीआईएसएफ के स्नाइपर को लगाया गया है। इसके लिए एक स्पेशल स्नाइपर क्यूआरटी बनाई गई है। जो ड्रोन हमले के साथ ही एयर साइड में अन्य किसी तरह के होने वाले आतंकवादी हमले को भी नेस्तनाबूद करने में सक्षम होगी। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह फैसला जम्मू एयरबेस पर हुए ड्रोन अटैक के बाद दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा को और अधिक चाक-चौबंद करने के लिए लिया गया है। रनवे पर लैंड और टेक ऑफ होती फ्लाइट या पार्किंग में खड़े एयरक्राफ्ट पर अगर कहीं से ड्रोन हमला किया जाता है तो समय रहते सीआईएसएफ के यह स्नाइपर हमले को नाकाम कर देंगे। यह तमाम स्नाइपर ब्लैक कैट कमांडो की भी ट्रेनिंग लिए हुए हैं। इससे पहले एयर साइड में स्नाइपर की स्थायी तैनाती नहीं थी। सूत्रों ने बताया कि स्पेशल स्नाइपर क्यूआरटी का मतलब यह नहीं है कि एयरपोर्ट पर इससे पहले कमांडो तैनात नहीं थे या फिर सुरक्षा में कहीं कोई कमी थी।

शामली में वॉन्टेड अपराधी पहुंचे थाने, क्राइम से किया तौबा, गिरफ्तारी के लिए गिड़गिड़ाए

शामली, यूपी के शामली में पुलिस जिन अपराधियों की तलाश में जुटी थी वह अचानक कैराना कोतवाली पहुंचे और पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगे। गैंगस्टर ऐक्ट में वॉन्टेड तीनों आरोपियों ने पुलिस से कहा कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। अब वह भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं रहेंगे। कोई गलत काम नहीं करेंगे। क्राइम से वह तौबा करते हैं। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फरवरी में कोतवाली कैराना में विधायक नाहिद हसन और उनकी मां पूर्व सांसद तबस्सुम हसन सहित 40 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले में तीनों वॉन्टेड आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही थी। कोतवाली प्रभारी प्रेमवीर सिंह राणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बलवा, हत्या की कोशिश सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट के तहत कार्रवाई की गई। तीनों आरोपियों ने गुरुवार को थाने में सरेंडर कर दिया। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों के नाम अरशद, परवेज और दानिश हैं।

WTC फाइनल को लेकर विराट कोहली के बयान पर आर अश्विन ने किया कप्तान का बचाव, कहा- उन्होंने इसकी मांग नहीं की

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा कि कप्तान ने केवल अपनी राय व्यक्त की थी कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल एक टेस्ट के बजाय 'बेस्ट ऑफ थ्री' सीरीज होना चाहिए, लेकिन कभी इसके फॉर्मेट को बदलने की मांग नहीं की थी। न्यूजीलैंड ने इस महीने के शुरू में साउथम्पटन में शुरुआती डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत को आठ विकेट से हराया था। हार के बाद कोहली ने कहा था कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का निर्णय शुरुआती चरण में हुए एकमात्र टेस्ट मैच के बजाय 'बेस्ट ऑफ थ्री' (तीन मुकाबले) से होना चाहिए। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैंने सुना कि लोग कह रहे हैं कि विराट कोहली ने कहा है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तीन टेस्ट खेले जाने चाहिए, लेकिन यह हास्यास्पद है।' मैच खत्म होने के बाद माइकल एथर्टन (इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी और मशहूर क्रिकेट लेखक) ने उनसे पूछा कि वे डब्ल्यूटीसी में क्या चीज अलग तरह से कर सकते थे। अश्विन ने कहा, 'विराट ने इस विशेष संदर्भ में उत्तर दिया कि अगर तीन मैच खेले जाते हैं, तो एक टीम के लिए परिस्थितियों के अनुकूल होना और वापसी संभव होती है। लेकिन उन्होंने इसकी मांग नहीं की थी।' डब्ल्यूटीसी टीम का हिस्सा रहे भारतीय खिलाड़ी इस समय तीन हफ्ते के ब्रेक पर हैं, जिसके बाद वे चार अगस्त से नॉटिघंम में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 14 जुलाई को इकट्ठा होंगे। अश्विन को लगता है कि यह ब्रेक खिलाड़ियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हम इस दौरान जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहे। इसलिए लंबे समय के बाद हम बाहर निकले और ताजा हवा ले सके।' अश्विन ने खुलासा किया कि न्यूजीलैंड की टीम ने आधी रात तक डब्ल्यूटीसी जीत का जश्न मनाया और साथ ही कहा कि उनका जश्न देखना काफी मुश्किल था।

उन्होंने कहा, 'मैच में जीत के बाद न्यूजीलैंड में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाने का रिवाज है और ड्रेसिंग रूम में कुछ 'ड्रिंक्स' भी होती है। यह देखना काफी अलग था। उन्होंने 12 बजे तक जश्न मनाया। वे पिच पर भी पहुंच गए। यह देखना काफी निराशाजनक था, क्योंकि हम फाइनल नहीं जीत सके थे।'

क्वारंटाइन पूरा करने के बाद कुछ इस तरह मस्ती करते नजर आए टीम इंडिया के खिलाड़ी

भारत और श्रीलंका के बीच 13 जुलाई से शुरू हो रही लिमिटेड ओवर सीरीज का आगाज होना है। विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में शिखर धवन की कप्तानी में युवा टीम श्रीलंका पहुंची है। टीम अपना अनिवार्य क्वारंटाइन पीरियड पूरा कर चुकी है और सीरीज की तैयारियों में जुट गई है। हेड कोच राहुल द्रविड़ की अगुवाई में टीम इंडिया के प्लेयर्स कड़े ट्रेनिंग सेशन से पहले मस्ती के मूड में नजर आए।

बीसीसीआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें सभी खिलाड़ी वॉलीबॉल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही क्वारंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ प्लेयर्स से बातचीत करते हुए भी दिखाई दिए। शिखर धवन की अगुवाई में टीम स्विमिंग पूल मे भी एन्जॉय करते दिखे। भारतीय टीम सोमवार को यहां पहुंची थी, जिसके बाद खिलाड़ियों को होटल के अपने कमरों में तीन दिन तक आइसोलेशन में रहना पड़ा था। भारत की अक्टूबर–नवंबर में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले यह आखिरी टी20 सीरीज होगी। टीम में चेतन सकारिया, कृष्णप्पा गौतम, नितीश राणा, देवदत्त पडिक्कल, वरुण चक्रवर्ती और ऋतुराज गायकवाड़ के रूप में छह खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है। पृथ्वी शॉ, इशान किशन, संजू सैमसन और सूर्यकुमार यादव के लि यह सीरीज अहम है क्योंकि वह इसमें अच्छा प्रदर्शन करके वर्ल्ड कप टीम में स्थान पक्का करने की कोशिश करेंगे।

कोरोना पॉजिटिव हुए कार्लोस ब्रेथवेट, 1 ही ओवर में 4 छक्के जड़कर टीम को बना चुके हैं वर्ल्ड चैम्पियन

वेस्टइंडीज के प्रमुख ऑलराउंडर कार्लोस ब्रेथवेट कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। ब्रेथवेट को आज भी फैन्स उनके भारत में 2016 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड के फाइनल मैच के लिए जानते हैं। उस समय उन्होंने इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के एक ही ओवर में लगातार 4 छक्के जड़कर अपनी टीम को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाया था। ब्रेथवेट इस समय इंग्लैंड में खेले जा रहे टी-20 ब्लास्ट के 2021 एडिशन में वारविकशायर के लिए खेल रहे हैं। उनका इस टूर्नामेंट में अब तक का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। बारबाडोस के इस 32 साल के क्रिकेटर ने अब तक अपनी टीम के लिए नौ मैचों में 18 विकेट चटकाए हैं, जो कि टीम की तरफ से सर्वाधिक है। इस दौरान उनकी एवरेज 13.33 जबकि इकॉनमी 7.53 की रही है। बुधवार को बर्मिंघम के के एजबेस्टन में यॉर्कशायर के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने टीम को जिताने में अहम भूमिका निभाई और अपनी शानदार गेंदबाजी के दम पर मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने दो ओवर फेंके, जिसमें मात्र 7 रन देते हुए तीन बड़े विकेट चटकाए। वारविकशायर इस समय नॉर्थ ग्रुप के प्वॉइंट टेबल में पांचवें स्थान पर है। उसने 11 मैचों में 0.099 के नेट रन रेट के साथ 11 प्वॉइंट्स हासिल किए हैं। उनके अगले मैच वोरस्टरशायर और नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ हैं। नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ पिछले मैच में वारविकशायर को 55 रनों से जीत हासिल हुई थी।

केएल राहुल ने बताया, कैसे बाकी कप्तानों से अलग हैं विराट कोहली

विराट कोहली की गिनती भारत के सबसे सफल कप्तानों में की जाती है। विराट की अगुवाई में टीम इंडिया ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज की हैं और ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका जैसी टीमों को उनकी सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी है। विराट के कप्तानी संभालने के बाद से टीम भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस और जीत दर्ज करने की भूख भी बढ़ी है। कोहली की अटैकिंग शैली और पॉजिटिव माइंडसेट की बदौलत विश्व क्रिकेट की बड़ी से बड़ी टीम भारत से खौफ खाती है। विराट बतौर कप्तान साथी खिलाड़ियों के साथ भी काफी फ्रेंडली हैं और उनको खुलकर खेलने की आजादी देते हैं। टीम इंडिया के ओपनर केएल राहुल भी कोहली के बड़े सपोर्टर रहे हैं। राहुल ने बताया है कि विराट कैसे बाकी कप्तानों से अलग हैं। 'फोर्ब्स इंडिया' के साथ बातचीत करते हुए केएल राहुल ने कहा, 'साथ खेलना और विराट कोहली की कप्तानी में खेलना, वह अलग तरह के कप्तान हैं। वह काफी पैशनेट इंसान हैं। वह मैदान पर अपना 200 प्रतिशत देते हैं। आप अपना बेस्ट ज्यादा से ज्यादा 100 प्रतिशत दे सकते हैं, लेकिन वह 200 पर्सेंट देते हैं। उनके अंदर बाकी 10 खिलाड़ियों को कैरी करने और उनसे 100 से 200 तक खींच के लाने की अविश्वसनीय काबिलियत है।' विराट की कप्तानी में पिछले पांच साल से टीम इंडिया टेस्ट में नंबर वन टीम बनी हुई है। हालांकि, कोहली अबतक एक भी आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने में सफल नहीं हो सके हैं। राहुल ने धोनी की भी तारीफ करते हुए कहा, 'जब भी कोई कप्तान कहता है तो जो हमारे युग का पहला नाम दिमाग में आता है वह एमएस धोनी का है। हम सभी उनकी कप्तानी में खेले हैं। हां, उन्होंने काफी सारे टूर्नामेंट जीते हैं और देश के लिए काफी कुछ किया है, लेकिन मुझे लगता है कि कप्तान के तौर पर आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि साथी खिलाड़ियों से सम्मान पाना होती है और हम में से कोई भी बिना दोबारा सोचे उनके लिए गोली खा सकता है।'

अमेरिका-कनाडा में भीषण गर्मी बनी काल, लू से मरने वालों की संख्या 580 पार

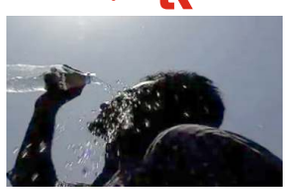

अमेरिका और कनाडा में भीषण गर्मी ने कहर बरपा रखा है। इसके चलते वहां आए दिन लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। दोनों देशों में अभी तक कुल मिलाकर 581 लोग अपनी जान गंवा बैठे हैं। अमेरिका में प्रशांत उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में मृतकों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। चिकित्सा कर्मियों का कहना है कि अत्यधिक गर्मी के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है ओरिगन, वाशिंगटन स्टेट और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में सैकड़ों लोगों की मौत हुई। यह पता लगाया जा रहा है कि क्या सभी की मौत लू की वजह से हुई। इस क्षेत्र में 25 जून को भयंकर गर्मी पड़नी शुरू हुई और मंगलवार को ही कुछ इलाकों को थोड़ी राहत मिली। ओरिगन के चिकित्सक परीक्षक ने शुक्रवार को बताया कि अकेले इस राज्य में मृतकों कि संख्या कम से कम 95 पर पहुंच गयी है। सबसे अधिक मौतें मुल्टनोमा काउंटी में हुई। मृतकों में ग्वाटेमाला का एक प्रवासी मजदूर भी शामिल है। कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया की मुख्य कोरोनर, लीजा लैपोइंते ने बताया कि उनके कार्यालय को 25 जून और बुधवार के बीच कम से कम 486 लोगों की अचानक और अप्रत्याशित मौत होने की सूचनाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि इनमें से कितनी मौत लू की वजह से हुई, लेकिन गर्मी की वजह से ही यह मौतें होने की आशंका है।

वाशिंगटन राज्य प्राधिकारियों ने लू के कारण करीब 30 लोगों के मरने की खबर दी है लेकिन यह संख्या बढ़ सकती है। सिएटल में हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर के आपात औषधि विभाग के निदेशक डॉ. स्टीव मिचेल ने कहा कि मुझे लगता है कि वक्त के साथ यह संख्या बढ़ेगी। मैं अपने अनुभव से कह सकता हूं कि मृतकों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। मौसम विज्ञानियों ने इस भीषण गर्मी के लिए तापमान के सामान्य से 30 डिग्री अधिक जाने को जिम्मेदार बताया है जिससे उच्च दबाव का क्षेत्र बन गया है। पश्चिमी वॉशिंगटन और ओरिगन में पारा थोड़ा गिरा, लेकिन अंदरूनी उत्तर पश्चिमी इलाकों और कनाडा में गर्मी की चेतावनी अब भी जारी है।

राफेल सौदे की जांच के लिए फ्रांस का बड़ा एक्शन, जज की हुई नियुक्ति- रिपोर्ट

राफेल सौदे की जांच को लेकर फ्रांस सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। भारत के साथ करीब 59,000 करोड़ रुपये के राफेल सौदे में कथित 'भ्रष्टाचार' की अब फ्रांस में न्यायिक जांच होगी और इसके एक फ्रांसीसी जज को नियुक्त किया गया है। एक फ्रांसीसी ऑनलाइन जर्नल मेडियापार्ट की एक रिपोर्ट ने ये जानकारी दी है। मीडियापार्ट ने कहा "2016 में हुई इस इंटर गवर्नमेंट डील की अत्यधिक संवेदनशील जांच औपचारिक रूप से 14 जून को शुरू की गई थी"। इसमें कहा गया कि शुक्रवार को फ्रांसीसी लोक अभियोजन सेवाओं की वित्तीय अपराध शाखा द्वारा इस बात की पुष्टि की गई। फ्रांसीसी वेबसाइट ने अप्रैल 2021 में राफेल सौदे में कथित अनियमितताओं पर कई रिपोर्टें प्रकाशित कीं थी।

उन रिपोर्टों में से एक में, मेडियापार्ट ने दावा किया कि फ्रांस की सार्वजनिक अभियोजन सेवाओं की वित्तीय अपराध शाखा के पूर्व प्रमुख, इलियाने हाउलेट ने सहयोगियों की आपत्ति के बावजूद राफेल जेट सौदे में भ्रष्टाचार के कथित सबूतों की जांच को रोक दिया। इसने कहा कि हाउलेट ने "फ्रांस के हितों, संस्थानों के कामकाज" को संरक्षित करने के नाम पर जांच को रोकने के अपने फैसले को सही ठहराया। राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद के इर्द-गिर्द जांच मेडियापार्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है, "अब, पीएनएफ के नए प्रमुख जीन-फ्रेंकोइस बोहर्ट ने जांच का समर्थन करने का फैसला किया है।" मेडियापार्ट ने कहा, आपराधिक जांच तीन लोगों के आसपास के सवालों की जांच करेगा। इसमें पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद, जो सौदे पर हस्ताक्षर किए जाने के समय पद पर थे, वर्तमान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, जो उस समय

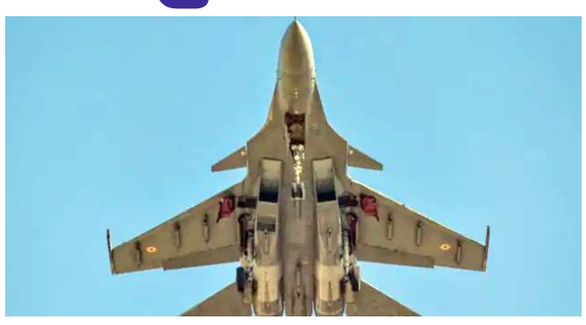

हॉलैंड की अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री थे और विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन, जो उस समय रक्षा विभाग संभाल रहे थे शामिल हैं। केंद्र पर लगे थे आरोप आपको बता दें कि साल 2016 में भारत सरकार ने फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की डील की थी। इनमें से एक दर्जन विमान भारत को मिल भी गए हैं और 2022 तक सभी विमान मिल जाएंगी। जब ये डील हुई थी, तब भी भारत में काफी विवाद हुआ था। लोकसभा चुनाव से पहले राफेल लड़ाकू विमान की डील में भ्रष्टाचार के मसले पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा था।

बच्चों को फौज में भर्ती कर 'चाइल्ड आर्मी' बना रहा पाकिस्तान, रिपोर्ट में खुलासा; US ने CSPA सूची में डाला

पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान बच्चों को फौज में भर्ती कर रहा है और 'चाइल्ड आर्मी' बना रहा है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब पाकिस्तान पर गंभीर प्रतिबंध लग सकते हैं। अमेरिका ने बाल सैनिक सुरक्षा कानून की एक सूची में 14 अन्य देशों के साथ पाकिस्तान को शामिल किया है। यह कानून ऐसे विदेशी सरकारों की पहचान करता है जो सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों की पहचान करता है, जो बाल सैनिकों की भर्ती करता है या उनका इस्तेमाल करता है।

पाकिस्तान को इस सूची में शामिल किए जाने से उसपर कुछ सुरक्षा सहायता और सैन्य उपकरणों के व्यावसायिक लाइसेंसीकरण पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

अमेरिका बाल सैनिक सुरक्षा कानून (सीएसपीए) वार्षिक व्यक्तियों की तस्करी (टीआईपी) रिपोर्ट में उन विदेशी सरकारों की सूची प्रकाशित करने को आवश्यक बनाता है जिन्होंने पिछले साल (एक अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक) बाल सैनिकों को भर्ती किया हो या उनका इस्तेमाल किया हो। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वार्षिक टीआईपी सूची में शामिल किए गए देशों में पाकिस्तान, तुर्की, अफगानिस्तान, म्यांमा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, ईरान, इराक, लीबिया, माली, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया, वेनेजुएला और यमन शामिल हैं।

कोविड टेस्ट किट पर नींबू का जूस और सिरका गिरा छात्र बना रहे पॉजीटिव रिपोर्ट, एजुकेशन लीडर्स ने जताई चिंता

पूरी दुनिया अभी कोरोना संक्रमण से बड़ी लड़ाई लड़ रही है। इस बीच यूनाइटेड किंगडम से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां नाबालिग बच्चे स्कूल जाने से बचने के लिए अपना फर्जी कोरोना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह बच्चे कोरोना टेस्ट किट पर नींबू का रस या सिरका गिराकर रिपोर्ट पॉजीटिव बना रहे हैं और फिर स्कूल बंक कर रहे हैं। इस चौंका देने वाले खुलासे के बाद यूके में शिक्षा से जुड़े नेताओं ने बच्चों के परिजनों को चेताया है और कहा है कि यह बेहद ही बेकार रवैया है।

iNews UK, की एक रिपोर्ट के मुताबिक नाबालिग बच्चों ने यह आइडिया TikTok पर चल रहे कुछ वीडियो को देखने के बाद अपनाना शुरू किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसा देखा जा रहा है कि छात्र Rapid Diagnostic Test (RDT) के दौरान नींबू के जूस या दूसरे तरह के तरल पदार्थ का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि उनका कोविड-19 रिपोर्ट पॉजीटिव नजर आए। ऐसे कई सारे वीडियो TikTok पर धड़ल्ले से शेयर किये जा रहे हैं और लाखों लोग इस वीडियो को देख भी रहे हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि यह वीडियो #fakecovidtest के नाम से अपलोड किये जा रहे हैं। इसी नाम से एक TikTok भी मौजूद है जिसके 20,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि ज्यादार छात्र नींबू जूस, ऐप्पल सॉस, कोका कोला, सिरका और हैंड सेनेटाइजर के जरिए रैपिड एंटीजेन टेस्ट कर रहे हैं। यह सबकुछ इसलिए ताकि रिपोर्ट कोविड-19 पॉजीटिव आए और छात्र स्कूल जाने से बच सकें। इस गंभीर विषय पर एसोशिएशन ऑफ स्कूल एंड कॉलेज लीडर्स के जनरल सेक्रेट्री जिओफ बार्टन ने कहा कि 'हम इस बात को लेकर आश्वस्त है कि इस काम में काफी कम छात्र शामिल हैं। हालांकि, हमने लड़कों के परिजनों से आग्रह किया है कि वो इस बात का ध्यान दें कि टेस्ट किट का बेवजह इस्तेमाल ना किया जाए। वैसे छात्र जो कैमिकल रिएक्शन्स को लेकर दिलचस्पी लेते हैं उन्हें हमने सलाह दी है कि ऐसा करने के लिए स्कूल की प्रयोगशाला सबसे बेहतर जगह है।

इंजीनियर से ऐक्टर बने प्रवीण सिंह राजावत को पसन्द है लीग से हटकर काम करना

कोई भी अदाकार यदि थिएटर करके एक्टिंग की फील्ड में जाता है तो उसकी अदायगी में एक नयापन होता है, एक गहराई होती है। उससे गलतियां होने की भी संभावनाएं कम रहती हैं। थिएटर से बॉलीवुड या टीवी सीरियल्स में जाते हैं तो कलाकार की एक्टिंग में निखार आता है। ऐक्टर प्रवीण सिंह राजावत ने भी कई साल तक थिएटर में काम किया, इसके बाद फिल्मों, म्यूज़िक वीडियो की ओर रूख किया है।थिएटर में कई साल से अपनी प्रतिभा का जादू बिखेर रहे अदाकार प्रवीण सिंह राजावत अपने टैलेंट और अपनी मेहमत लगन के बल पर इंडस्ट्री में काम हासिल कर रहे हैं।

प्रवीण सिंह रजावत राजपूत फैमिली से हैं और मेकेनिकल इंजीनियर हैं, वो वॉलीबॉल के स्टेट लेवेल के खिलाड़ी भी हैं, लेकिन उन्हें एक्टिंग का ऐसा चस्का लगा कि खुद को अभिनय की ओर मोड़ लिया और अदाकारी में उन्हें आनंन्द भी मिलने लगा।

प्रवीण सिंह रजावत हालांकि अदाकारी को काफी चैलेंजिंग मानते हैं, लेकिन नाटकों में काम करके और प्रैक्टिस के जरिये उन्होंने इस कला में खुद को सँवारा और निखारा है।

उनके फेवरेट बॉलीवुड एक्टर्स में स्वर्गिय इरफान खान, के के मेनन, राजकुमार राव, आयुष्मान खुराना हैं, जिनसे उन्हें एक्टिंग की प्रेरणा मिलती है। इम्तियाज़ अली, विशाल भारद्वाज और अनुराग कश्यप उनके फेवरेट बॉलीवुड डायरेक्टर्स हैं जिनके साथ वह काम करना चाहते हैं।

वह फिमी प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनने वाले म्यूज़िक वीडियो में काम करने वाले हैं, जिन्हें सुमीन भट्ट प्रोड्युस कर रहे हैं।

हालांकि प्रवीण सिंह राजावत फ़िल्म और म्यूज़िक वीडियो में काफी फर्क महसूस करते हैं, मगर आजकल म्यूज़िक वीडियो को काफी नोटिस किया जाता है और यह ट्रेंडी चीज़ बन गई है इसलिए वह वीडियो अल्बम करते हुए बेहद उत्साहित हैं।

बॉलीवुड की महिला डायरेक्टर्स की लिस्ट में आकांक्षा सिन्हा का नाम भी जुड़ गया

यशपाल शर्मा, शालिनी कपूर, आभा परमार, शनाया शर्मा और रवि भाटिया जैसे बेहतरीन कलाकारों से सजी वेब सीरीज "चिट्ठी" बतौर डायरेक्टर आकांक्षा सिन्हा का पहला प्रोजेक्ट था। यह वेब शो दर्शकों के साथ साथ क्रिटिक्स को भी खूब पसंद आया और इस तरह आकांक्षा सिन्हा ने फ़िल्म इंडस्ट्री में खुद को स्थापित कर लिया।

पटना की रहने वाली आकांक्षा सिन्हा को बचपन से ही कुछ बड़ा करने की ख्वाहिश थी। क्रिएटिव काम करने का उन्हें जुनून है। फ़िल्म डायरेक्शन के क्षेत्र में उन्हें यह दोनों सपने पूरे होते हुए दिखे, इसलिए उन्होंने निर्देशन को चुना।

प्रकाश झा और संजय लीला भंसाली को अपना फेवरेट डायरेक्टर मानने वाली आकांक्षा सिन्हा की 2 और वेब सीरीज आने वाली हैं, यह किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होंगी, यह अभी डिस्क्लोज नहीं किया जा सकता मगर इनका

सब्जेक्ट और इनका प्रेजेंटेशन यूनिक है जो ऑडिएंस का दिल जीत लेगा। उनके निर्देशन में बनी एक फ़िल्म मृत्युंजय भी आने वाली है जिसमें बॉलीवुड के काफी नामी चेहरे नजर आएंगे। इस फ़िल्म का कॉन्सेप्ट और इसकी कहानी दर्शकों को पंसद आने वाली है।

सुमीन भट्ट द्वारा प्रोड्युस किए जा रहे म्यूज़िक वीडियो को भी डायरेक्ट करने वाली हैं आकांक्षा सिन्हा जिसे फिमी प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनाया जाएगा। फ़िल्म और म्यूज़िक वीडियो दोनों के निर्देशन में वह क्या फर्क महसूस करती हैं, इस पर आकांक्षा सिन्हा ने बताया कि दोनों में कुछ खास अंतर नहीं पड़ता क्योंकि क्रिएटिविटी तो दोनों में दिखानी पड़ती है। हां म्यूज़िक वीडियो की तैयारी में उतना वक्त नहीं लगता, जबकि कमर्शियल फ़िल्म बनाते हुए काफी समय लगता है।"

बॉलीवुड में फरहा खान से लेकर कई महिला डायरेक्टर्स हैं, इसी लिस्ट में आकांक्षा सिन्हा का नाम भी जुड़ गया है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के ऑफर ने दिलीप जोशी को एक्टिंग छोड़ने से रोका,एक साल से बेरोजगार थे 'जेठालाल'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम जेठालाल उर्फ दिलीप कुमार आज भले ही दर्शकों के सबसे चहेते कलाकारों में एक हैं। टीवी शो में उनकी एक्टिंग और उनकी कॉमेडी लोगों को खूब पसंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दर्शकों के दिलों पर राज करने वाला यह कलाकार 'तारक मेहता' ऑफर मिलने से पहले वह एक्टिंग छोड़ने के लिए तैयार थे। इतना ही नहीं एक इंटरव्यू में बताया कि 'जेठालाल' की भूमिका को स्वीकार करने के बाद भी वह इस रोल को निभाने करने के लिए काफी दुविधा में थे।

दिलीप जोशी पुराना इंटरव्यू वीडियो वायरल

दिलीप जोशी उर्फ जेठालाल का एक पुराना इंटरव्यू वीडियो उनके फैन पेज पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता अपने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ऑफर, अपने संघर्ष के दिनों के साथ ही बाकि बहुत सारी चीजों पर बात करते हुए दिख रहे हैं। जेठालाल के इस इंटरव्यू में को देखकर लग रहा है कि उन्होंने काफी संघर्षों के बाद इस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में कामयाबी मिली हैं।

दिलीप को असित मोदी ने ऑफर किये थे दो रोल

वीडियो में, दिलीप जोशी ने TMKOC के निर्माता असित कुमार मोदी दिये गये ऑफर के बारें में बात करते हुए दिख रहे हैं। वह कहते हैं कि जब उन्होंने पहली बार स्क्रिप्ट सुनी, तो वह बहुत उत्साहित थे। दिलीप आगे कहते हैं कि असित मोदी ने उन्हें दो

किरदारों के बारे में बताया और उनसे एक चूज करने का ऑप्शन दिया।

दिलीप के अनुसार, असित ने उन्हें पहले 'चंपकलाल' या' जेठालाल' की भूमिका निभाने का विकल्प दिया था। हालांकि दिपील ने 'चंपकलाल' की भूमिका निभाने से मना कर दिया क्योंकि उन्हें लगा कि वह इस रोल में के लिए फिट नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने जेठालाल की भूमिका के लिए प्रयास करने का फैसला किया लेकिन फिर भी वह दुविधा में थे, लेकिन असित ने उनपर विश्वास व्यक्त किया और दिपील आगे उनके उमींदों पर खरे उतरे।

डेढ़ साल तक बेरोजगार थे दिलीप

वीडियो में जब दिलीप से उनके संघर्ष के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, " TMKOC पर साइन करने से पहले करीब एक साल से डेढ़ साल कोई काम नहीं था , मेरे पास कोई नौकरी नहीं थी, जिस शो में मैं काम कर रहा था वह बंद हो गया था। इसलिए मेरे पास कोई काम नहीं था। यह एक कठिन समय था और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए या मुझे आगे के प्लान के बारें में कुछ समझ नहीं पा रहा था कि अब इस उम्र में कौन सी नई लाइन पर जाउं, लेकिन भगवान की कृपा से ये 'तारक मेहता' का ऑफर मिला और यह इतना हिट हो गया कि मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।"

इन फिल्मों और टीवी शो में नजर आ चुके हैं दिलीप जोशी

दिलीप जोशी ने अपने करियर अभिनय की शुरुआत साल 1989 में आई सूरज बड़जात्या की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से किया था। इस फिल्म में उनका रोल बेहद छोटा सा था। इसके बाद भी दिलीप ने कई फिल्मों में छोटे-छोटे रोल प्ले किये। 'हम आपके हैं कौन' (1998), 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' (2000), 'हमराज' (2002) और 'फिराक' (2008) जैसी 10 से ज्यादा फिल्मों में दिलीप काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने टीवी शो 'गलतनामा' (1994), 'दाल में काला' (1998), 'हम सब एक हैं' (1998-2001), 'हम सब बाराती' (2004), 'FIR (2008) में काम किया था। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' (2008-अब तक जारी) उनके कुछ चर्चित टीवी सीरियल्स हैं।

आमिर खान की ये फिल्म देखते ही दिल दे बैठी थीं किरण राव, जानें कैसे हुआ था इन दोनों में प्यार

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी शादी के 15 साल बाद पत्नी किरण राव से आपसी सहमति से तलाक लेने की घोषणा की है। दोनों ने तलाक पर ऑफिशियल स्टेटमेंट भी जारी कर दिया है। आज भले ही आमिर-किरण एक दूसरे से अलग होने का फैसला किया है, हालांकि कभी ऐसा भी वक्त था , जब इनके प्यार के चर्चे बॉलीवुड की टॉप स्टोरी हुआ करती थी। चलिए जानें आमिर और किरण की पहली मुकाकात और लव स्टोरी के बारें में। अपनी शादी शुदा लाइफ में बहुत से उतार-चढ़ाव देखें आमिर खान

आमिर खान भले ही अपने प्रोफेशनल लाइफ 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनका पर्सनल लाइफ हमेशा से उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। आमिर प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहे हैं। आमिर ने किरण के शादी करने से पहले इसे पहले साल 1986 में रीना दत्ता से शादी की थी, लेकिन कुछ सालों बाद आमिर ने साल 2002 में रीना को तलाक दे दिया।आमिर और रीना के दो बच्चे जुनैद और आइरा खान हैं। वहीं आमिर और किरण से एक बेटा है जिसका नाम आजाद है।

जब आमिर फिल्म 'लगान' की शूटिंग कर रहे थे उस वक्त किरण राव आशुतोष गोवारिकर की असिस्टेंट हुआ करती थीं। इसी मूवी के सेट से दोनों एक दूसरे के करीब आए थे। पहले दोस्ती फिर दोनों में प्यार हो गया है। आमिर को किरण एक खुश रहने वाली और संजीदा किस्म की लड़की लगीं। दोनों ने 2005 में शादी कर ली थी। हालांकि शादी के बारे डेढ़ साल तक दोनों कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। किरण से पहली मुलाकात के बारें में खुद आमिर खान ने एक इंटव्यू के दौरान ये सारी बातें बताई थी।

30 मिनट तक फोन पर बात करने के बाद किरण को डेट करने लगे थे आमिर

आमिर ने इंटरव्यू ये भी बताया था कि उस वक्त किरण मेरे लिए सिर्फ मेरी टीम की सदस्य थीं। वह बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर फिल्म में काम कर रही थीं। आमिर ने कहा था कि रीना से तलाक के बाद जब मैं पहली बार किरण से मिला, तब हमारी कोई खास बातचीत भी नहीं हुई थी। उस वक्त तो वह मेरी दोस्त भी नहीं थीं। लेकिन एक बार किरण ने उन्हें फोन किया। यह कॉल करीब 30 मिनट तक चली, जिसके बाद वह किरण को डेट करने लगे।

आमिर को इस फिल्म में देखकर दिवानी हो गई थीं किरण

एक इंटरव्यू में किरण ने बताया था कि उन्हें आमिर खान से बहुत ही छोटी उम्र में क्रश हो गया था। बता दें कि किरण आमिर से 14 साल की उम्र से ही प्यार करती थीं। उस वक्त किरण ने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन वो आमिर की उनकी पत्नी बनेंगी। रीना दत्त से तलाक के बाद आमिर ने किरण से दूसरी शादी की।

'कसौटी जिंदगी के' फेम अभिनेता प्राचीन चौहान गिरफ्तार, लड़की से छेड़छाड़ का आरोप

टीवी इंडस्ट्री से एक और चौंकाने वाली खबर आ रही है। 'कसौटी जिंदगी के' फेम अभिनेता प्राचीन चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर छेड़छाड़ का आरोप लगा है। जिसके बाद कुरार पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

लड़की से छेड़छाड़ का आरोप

कुरार पुलिस के मुताबिक, महिला उनके पास पहुंची और प्राचीन चौहान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि महिला को गलत तरीके से छूने के आरोप में धारा 354 के तहत उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आगे कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और अभी इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दे पाएंगे।

इन सीरियल में किया काम

प्राचीन ने स्टार प्लस के पॉपुलर शो 'कसौटी जिंदगी के' से डेब्यू किया।

इसमें उन्होंने सुब्रोतो बासु का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कुछ झुकी पलकें', 'सिंदूर तेरे नाम का', 'सात फेरे'

और 'मात पिता के चरणों में' जैसे सीरियल में काम किया।

प्राचीन इन दिनों यूट्यूब पर 'शिटी आइडियाज ट्रेंडिंग' (SIT) में काम कर रहे हैं जिसमें वह अभिमन्यु बने हैं।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट

प्राचीन ने 4 दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया जिसमें वह अपने दोस्तों शरद केलकर, उनकी पत्नी कीर्ति केलकर और मेघना चितालिया के साथ हैं।

पर्ल पुरी हुए थे गिरफ्तार

बता दें कि 'नागिन' फेम पर्ल वी पुरी को पिछले महीने ही गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक नाबालिग से रेप का आरोप लगा था। 15 जून को पर्ल जमानत पर रिहा हुए थे।

क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहीं अनुष्का

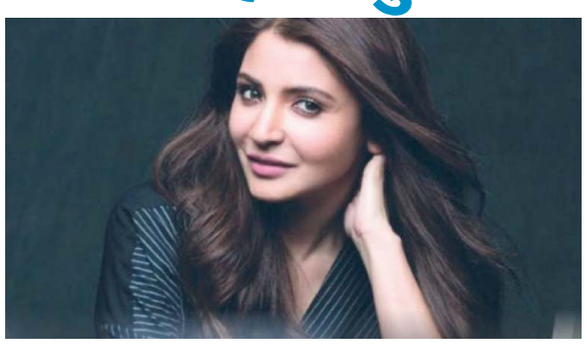

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मां बनने के साथ ही बेटी वामिका के साथ कई बार नजर आ चुकी हैं। इन दिनों अभिनेत्री अनुष्का शर्मा बेटी वामिका और पति विराट कोहली के साथ यूके में क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। हालांकि उन्होंने अभी तक अपनी बेटी की झलक कैमरे के सामने या फिर इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए नहीं दिखाई है। इसके बावजूद हाल ही में सोशल मीडिया पर अनुष्का की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इस तस्वीर में अनुष्का स्टोलर में आराम फर्मा रहीं नन्हीं वामिका भी नजर आ रही हैं। हालांकि इसमें भी वामिका का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। दरअसल हाल ही में अनुष्का पति विराट के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए साउथैम्प्टन गईं थीं। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर इसकी कुछ फोटोज भी शेयर किए थे। फोटोज में अनुष्का ने लॉन्ग ब्राउन कोट पहना हुआ है और पोनिटेल बनाई हुई है।

यामी पर गिरी ईडी की गाज!

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम पर 'ईडी' की गाज गिरी है। यामी अपनी शादी के बाद हाल ही में मुंबई लौटी हैं। मुंबई लौटते ही उनकी परेशानियां शुरू हो गईं। यामी गौतम को ईडी ने समन भेजा है। इस खबर के बाद बॉलीवुड के गलियारों में सनसनी मच गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, यामी गौतम को शुक्रवार को ईडी ने समन भेजा है। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने यामी को फेमा के तहत कथित अनियमितताओं के संबंध में अपना बयान दर्ज करने के लिए अगले हफ्ते उनके सामने पेश होने के लिए कहा है। बता दें, यामी ने हाल ही में फिल्म 'उरी' के डायरेक्टर आदित्य धर से शादी की है। यह शादी हिमाचल में बसे उनके घर पर ४ जून को हुई थी। बिल्कुल सादे तरीके से शादी करने पर एक्ट्रेस ने खूब वाहवाही बटोरी थी। बता दें कि यामी गौतम आनेवाले समय में अभिषेक बच्चन की फिल्म 'दसवीं' में दिखेंगी। यामी ने फिल्म में एक सिपाही ज्योति देसवाल की भूमिका निभाई है। फिल्म से उनका फस्ट लुक भी सामने आ चुका है। इसके अलावा वो सैफ अली खान और अर्जुन कपूर के साथ फिल्म 'भूत पुलिस' में भी नजर आएंगी। वो 'ए थर्सडे' नाम की फिल्म में भी दिखेंगी।

आसान नहीं था भारती सिंह का सफर

भारती सिंह की गिनती आज टीवी इंडस्ट्री के बड़े कॉमेडियन में होती है। उनकी लोकप्रियता का आलम ये है कि वह एक साथ कई अलग-अलग चैनल के लिए काम करती हैं। तीन जुलाई को 37वां जन्मदिन मना रहीं भारती के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा।

मुश्किलों भरा सफर

उनकी जिंदगी में एक पल ऐसा भी आया जब रिश्तेदारों ने उनके परिवार का बायकॉट कर दिया था। इसकी वजह यह थी कि वह कॉमेडी में करियर बनाना चाहती थीं। वे सब भारती पर ताना कसते थे कि 'मुंबई में लड़कियां कैसे सफल होती हैं।'

रिश्तेदार कसते थे ताना

भारती और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया डांस रियलिटी शो होस्ट कर रहे हैं। इस दौरान भारती अपनी निजी जिंदगी के राज भी खोलती रहती हैं। शो के एक

कंटेस्टेंट ने बताया था कि किस तरह उनके गांव में उन्हें डांस की वजह से विरोध झेलना पड़ा। तब भारती कहती हैं कि 'आज तुम्हारी कहानी मुझे फ्लैशबैक मोड में ले गई। जब मैं एक कॉमेडी रियलिटी शो में चुने जाने के बाद मुंबई आने की तैयारी कर रही थी, हमारे रिश्तेदारों ने हमारा बायकॉट कर दिया था। उन्होंने कहा- "उसके पिता नहीं हैं। वह क्या करती है? वह लोगों को हंसाती है। वह शादी नहीं करेगी।

हम जानते हैं कि मुंबई में लड़कियां कैसे सफल होती हैं।" मेरी मां सिंगल मदर थीं। जब मैं दो साल की थी तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई थी।'

इंटीरियर डिजाइन में करियर- बी वोक डिग्री प्रोग्राम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

बी वोक डिग्री प्रोग्राम(इंटीरियर डिजाइन) यूजीसी द्वारा अनुमोदित और मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध एक डिग्री स्तर का कार्यक्रम है। यह तीन साल का पूर्णकालिक पेशेवर कार्यक्रम है। एचएससी (HSC) के किसी भी स्ट्रीम के छात्र इंटीरियर डिजाइन में डिग्री प्रोग्राम कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रवेश विशुद्ध रूप से योग्यता परीक्षा में प्राप्तांक के आधार पर होता है। प्रवेश प्रक्रिया एचएससी के परिणाम घोषित होने के बाद शुरू होगी, उम्मीदवारों के लिए ऐसे कार्यक्रमों की तलाश करने और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अद्यतन होने का यह आदर्श समय है।

यदि आप बीवोक इंटीरियर डिजाइन में प्रवेश चाहते हैं तो एप्टीट्यूड टेस्ट देना अनिवार्य है। बी वोक प्रोग्राम में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। परीक्षा आवेदक की सामान्य योग्यता का आकलन करता है।

एप्टीट्यूड टेस्ट का प्रारूप इस प्रकार है:

100 अंकों के एप्टीट्यूड टेस्ट को दो खंडों में बांटा गया है। खंड ए- 40 अंक आवंटित किए गए हैं, सामान्य ज्ञान और सौंदर्य संवेदनशीलता पर आधारित 20 बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक)।

खंड बी -60 अंक, पार्श्व सोच और सामान्य जागरूकता पर आधारित 15 बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक के 4 अंक)।

नमूना प्रश्न पत्र कार्यक्रम की पेशकश करने वाली संस्थागत वेबसाइटों के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइन में डिग्री प्रोफेशनल प्रोग्राम होने के कारण इसका विशेष महत्व है। कार्यक्रम से स्नातक स्वतंत्र अभ्यास स्थापित कर सकते हैं या संबद्ध क्षेत्रों में परास्नातक कार्यक्रम कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर वेटेज सैद्धांतिक घटक की तुलना में महत्वपूर्ण है, इससे उद्योग के लिए तैयार पेशेवर बनाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के स्नातक पहले से ही बाजार में समाहित हैं और सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं।

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in जा सकते हैं।

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पत्रकार मार्गदर्शन शिविर सफलता पूर्वक संपन्न

"पत्रकार एक सच्चा सामाजिक कार्यकर्ता है।"- मेयर ज्योत्सना हंसनाले

मीरा भायंदर (ठाणे/ मुंबई) : जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पत्रकार मार्गदर्शन शिविर का आयोजन शुक्रवार २ जुलाई २०२१ को अम्बर प्लाजा हॉल, मीरा रोड, थाणे में किया गया था, जोकि सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जहाँ पर मुख्य अतिथि मीरा-भायंदर नगर निगम मेयर ज्योत्सना हसनाले थी, जिनके हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर पत्रकार मार्गदर्शन शिविर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों को आरोग्य कार्ड, रेनकोट,छतरी व भारत के संविधान की बुक वितरित किया गया। अवसर पर मेयर ज्योत्सना हसनाले,आयुक्त दिलीप ढोले,पुलिस आयुक्त अमित काले, जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष नारायण पांचाल, उपाध्यक्ष के. रवि, कोषाध्यक्ष दिलीप एन पटेल, मीरा भायंदर मनपा यूनिट के

अध्यक्ष विजय मोरे, सचिव नीलेश फापाले, संघटक प्रमोद देठे, उपाध्यक्षा सीमा गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रेम यादव, क़ानूनी सलाहकार एडवोकेट लक्ष्मण आसले व एड. नामदेव काशिद, महबूब कुरैशी, विश्वनाथ व संस्था के सभी पदाधिकारी व स्थानीय पत्रकारों, संपादकों और समाचार चैनलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। तथा ठाणे के शिवनेर सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के बिजनेस हेड अनंत पांडे भी उपस्थित थे, जिनकी तरफ से पत्रकारों को आरोग्य कार्ड दिया गया,जिससे इस हॉस्पिटल में उनको ५० प्रतिशत डिस्काउंट इलाज में मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार राजेश जाधव और सतीश साटम ने बेहद खूबसूरत अंदाज में किया।पत्रकारों मार्गदर्शन प्रोफसर हेमंत सामंत ने किया। इस अवसर पर मेयर ज्योत्सना हसनाले ने कहा," पत्रकार एक सच्चा सामाजिक कार्यकर्ता है,जो हमेशा समाज के लिए काम करता है।कोरोना के प्रकोप के दौरान उनके परिवारों की परवाह किए बिना समुदाय को सकारात्मक समाचार देने का कार्य वास्तव में सराहनीय है।" कार्यक्रम की अध्यक्षता नारायण पांचाल ने की, मीरा भायंदर नगर निगम में कार्यरत पत्रकारों को यह सुविधा कब तक उपलब्ध होगी इस तरह के सवाल पूछने से कई मुद्दों पर प्रकाश डाला गया ओर यह सवाल उठाया कि ठाणे के पत्रकारों को घर मिला, नवी मुंबई में प्रेस क्लब के निर्माण के लिए प्लॉट आरक्षित किया गया, ठाणे नगर निगम क्षेत्र में नगर निगम द्वारा हर केबल चैनल पर व लोकल अखबारों में हजारों विज्ञापन दिए जाते हैं। अध्यक्ष विजय मोरे ने संस्था की तरफ से मांग कि यहाँ के पत्रकारों को घर,निगम की ओर से विज्ञापन, नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा, निगम की परिवहन सेवा में नि:शुल्क यात्रा, पत्रकारों के बच्चों के लिए नि:शुल्क शिक्षा व छात्रवृत्ति योजना व प्रेस कक्ष में कई लॉकर कई वर्षों से बंद हैं और उन लॉकरों को तत्काल समाचार पत्रों को उपलब्ध कराया जाय। यह सुविधा मीरा भायंदर के पत्रकारों को कब मिलेगी ?जिस पर मेयर ने आश्वासन दिया कि अब हम आयुक्त दिलीप ढोले से बात कर पत्रकारों की सभी मांगों को उनके कार्यकाल में पूरा करेंगी।

ED के राडार पर डिप्टी सीएम अजित पवार? जब्त हुई 65 करोड़ की शुगर मिल

मुंबई, महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार पर इन दिनों प्रवर्तन निदेशालय कुछ ज्यादा ही मेहरबान नजर आ रहा है। ईडी की तरफ से सरकार के मंत्रियों पर शिकंजा कसने की तैयारियां चल रही हैं।

पहले अनिल देशमुख फिर राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग शिकायत और अब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के खिलाफ ईडी ने बड़ा कदम उठाया है।

ईडी ने अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार से जुड़ी एक शुगर फैक्ट्री को जब्त कर लिया है। इस फैक्ट्री की कीमत 65 करोड़ के आसपास है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जब्त की गई शुगर मिल कोरेगांव के चिमनगांव में है। ईडी ने जमीन, बिल्डिंग, प्लांट और मशीनें भी जब्त की हैं।

अजित पवार ने कहा पहले भी हो चुकी है जांच

हु इस मामले में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा है की पहले भी एंटी करप्शन और सीआईडी की जांच हो चुकी है उनकी जांच में कुछ भी नहीं पाया गया था फिलहाल आर्थिक अपराध शाखा की जांच भी शुरू है सभी तरफ से जांच की जा रही है लेकिन कुछ भी अभी तक सामने निकलकर नहीं आया है अजित पवार का यह भी कहना है कि उन्हें इस मामले में ईडी की तरफ से कोई नोटिस नहीं मिला है। क्या है मामला ईडी के मुताबिक जब्त की गई संपत्ति अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय ने अपने बयान में कहा है कि उन्होंने जो भी प्रॉपर्टी जब्त की है। वह मेसर्स गुरु कमोडिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस प्रॉपर्टी को मैसर्स जरांडेश्वर सहकारी शुगर मिल को लीज पर दिया गया था। ईडी के मुताबिक इस शुगर मिल की ज्यादातर हिस्सेदारी में मेसर्स स्पार्कलिंग सॉयस प्राइवेट लिमिटेड के पास है। ईडी के मुताबिक यह कंपनी पवार परिवार से संबंधित है।

11 साल पहले हुई थी एफआईआर इस मामले में इसके पहले भी जांच हो चुकी है। तकरीबन 11 साल पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था। बाद में इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी केस दर्ज किया गया। जिसकी जांच की जा रही है। ईडी के मुताबिक साल 2010 में महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक ने जरांडेश्वर कोऑपरेटिव शुगर मिल को नीलाम किया था। उस दौरान इसकी कीमत इरादतन कम रखी गयी थी।

14500 करोड़ के घोटालेबाजों से संबंध के आरोप

ED ने अभिनेता डिनो मोरिया, संजय खान और डीजे अकील की करोड़ों की प्रॉपर्टी सीज की

महाराष्ट्र में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अभिनेता डिनो मोरिया, संजय खान और डीजे अकील की करोड़ों की प्रॉपर्टी अटैच की है। डिनो, दिवंगत कांग्रेस नेता अहमद पटेल के दामाद भी हैं। अहमद पटेल की भूमिका महाविकास अघाड़ी सरकार के निर्माण के दौरान सक्रिय रूप से देखने को मिली थी। पिछले साल उनका निधन हो गया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई स्टर्लिंग बायोटेक बैंक धोखाधड़ी और मनी लांड्रिग मामले में हुई है। ED को इन तीनों का कनेक्शन 14 हजार 500 करोड़ रुपए के बैंक लोन घोटाले के आरोपी और गुजरात के बिजनेसमैन संदेसरा बंधुओ के साथ मिला था। जांच में यह भी सामने आया था कि अहमद पटेल के संदेसरा बंधुओ के साथ अच्छी जान-पहचान थी।

आरोप था कि अहमद पटेल के दामाद इरफान सिद्दीकी को संदेसरा बंधु रिश्वत में मोटी रकम देते हैं। इरफान के बाद अब डिनो पर यह कार्रवाई हुई है। दिवंगत अहमद पटेल के दामाद के साथ संदेशरा बंधुओं के संबंध ED सूत्रों की माने तो चेतन और नितिन संदेसरा कई बार पटेल के दामाद इरफान के घर रुपए से भरा बैग लेकर जाते थे। चार-पांच मौकों पर वह खुद भी उनके साथ थे. एक बार में 15-25 लाख रुपए दिए जाते थे। चेतन संदेसरा अक्सर अहमद पटेल के सरकारी आवास (23, मदर क्रेसंट, नई दिल्ली) जाया करते थे और संदेसरा बंधु इसे कोड वर्ड में 'हेडक्वॉर्टर 23' बोलते थे। इरफान सिद्दीकी को संदेसरा बंधु जे-2 और फैजल पटेल को जे-1 बुलाते थे। 14,500 करोड़ रुपए के इस बैंक घोटाले में अक्तूबर 2017 में सीबीआई की ओर से मामला दर्ज करने के बाद ईडी ने भी जांच शुरू की थी। जांच में खुलासा हुआ कि संदेसरा ने देश में ही नहीं विदेशों में भारतीय बैंकों को चूना लगाया है।

फेक वैक्सीनेशन कैंप केस

2000 हजार से ज्यादा लोगों को नकली वैक्सीन लगाने वाले गिरोह का मुख्य सरगना बारामती से गिरफ्तार, हो सकते हैं कई बड़े खुलासे

मुंबई में 2 हजार से ज्यादा लोगों को फेक वैक्सीन लगाने वाले गिरोह के सरगना को पुलिस ने आखिरकार शुक्रवार को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी की पहचान बारामती के रहने वाले राकेश पांडे के रूप में हुई है। राजेश पांडेय सोसाइटीज नमें जाकर पहले उनका विश्वास जीतात था और फिर पैसे लेकर फेक वैक्सीनेशन सेंटर का आयोजन करता था। अब तक मुंबई और ठाणे में फेक वैक्सीनेशन कैंप की 10 से ज्यादा FIR दर्ज हो चुकी है। अबतक इस केस में 12 लोगों को अरेस्ट किया जा चुका है। मामले की जांच करने वाली मुंबई पुलिस का कहना है कि इस गोरखधंधे में कुछ हॉस्पिटल्स के शामिल होने के भी सबूत मिले हैं। पांडे मुंबई के अंधेरी में स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल का पूर्व कर्मचारी था। पांडेय सेल्स डिपार्टमेंट में काम करता था। इस कारण इस तरह के काम का उसे पुराना अनुभव है।

अनिल देशमुख ने अपने खिलाफ चल रही CBI जांच को अवैध बताया

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने अपने खिलाफ चल रही सीबीआई जांच को अवैध बताया है। सीबीआई उनके विरुद्ध पद का दुरुपयोग करते हुए भ्रष्टाचार में लिप्त होने के आरोप की जांच कर रही है। अनिल देशमुख के खिलाफ दर्ज सीबीआई की एफआईआर रद करने की मांग करते हुए उनके वकील अमित देसाई ने उच्च न्यायालय में कहा कि हालांकि देशमुख के खिलाफ सीबीआई जांच उच्च न्यायालय के ही आदेश पर शुरू हुई थी। लेकिन यह जांच शुरू करने से पहले कानून का पालन नहीं किया गया। उस समय देशमुख सार्वजनिक सेवा में थे। उनके खिलाफ जांच शुरू करने से पहले राज्य सरकार से अनुमति ली जानी चाहिए थी। यह अनुमति नहीं ली गई। इसलिए यह जांच ही गैरकानूनी है।

100 % Wheat
KAANT FOODS
100 % Wheat
KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor
Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રી૧ ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani 99040 77991
Kishan Kyada 99040 77990
JKC
Jay Kuber CONSULTANCY
➢ PERSONAL LOAN ➢ CAR LOAN
➢ CONSUMER LOAN ➢ MUDRA LOAN
➢ HOME LOAN ➢ INSURANCE
➢ MORTGAGE LOAN ➢ PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।